● वर्ष : 17 ● अंक : 214 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

सोमवार 25 मई 2026

प्रधानमंत्री ने ज्योतिरादित्य सिंधिया का लेख किया साझा

सिक्किम की सांस्कृतिक विरासत और विकास मॉडल को सराहा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा लिखे गए एक लेख को साझा करते हुए राज्य की सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास मॉडल की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि लेख में कंचनजंगा को सिक्किम की भूमि, स्मृति और चेतना का संरक्षक बताया गया है, जो राज्य के "विकसित सिक्किम-2047" के विजन को दिशा देता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि सिक्किम अपने राज्यत्व के 51वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस अवसर पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कंचनजंगा की पांच धरोहरों के माध्यम से राज्य की पहचान, परंपरा और विकास यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि ये पांच धरोहरें "विकसित सिक्किम-2047" की दिशा में राज्य की प्रगति को प्रकाशित कर रही हैं। एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित अपने लेख में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सिक्किम को सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत और सतत विकास का आदर्श उदाहरण बताया। उन्होंने लिखा कि राज्य का विकास केवल आधारभूत संरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास, प्रकृति के संरक्षण और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ा है। सिंधिया ने अपने लेख में कंचनजंगा को सिक्किम की आत्मा करार देते हुए कहा कि हिमालय की गोद में स्थित यह पर्वत केवल भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि राज्य की सामूहिक चेतना, आस्था और परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने कंचनजंगा से जुड़ी पांच धरोहरों सोना, चांदी, रत्न, अन्न और पवित्र ग्रंथ का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सिक्किम की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेख में इस बात पर भी जोर दिया गया कि सिक्किम भारत का पहला पूर्ण जैविक राज्य है, जहां विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन का अनूठा मॉडल देखने को मिलता है। सिंधिया ने राज्य में स्वच्छ ऊर्जा, जैविक खेती और टिकाऊ पर्यटन को भविष्य के विकास की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि सिक्किम में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के साथ विकास कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। सड़क, डिजिटल संपर्क और पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के बावजूद पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने का निरंतर प्रयास किया गया है। लेख में सिक्किम की सांस्कृतिक विविधता, बौद्ध मठों, स्थानीय परंपराओं और सामाजिक समरसता की भी विस्तार से चर्चा की गई है। सिंधिया ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में सिक्किम हरित विकास, ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और सतत पर्यटन के क्षेत्र में पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है। उन्होंने कहा कि सिक्किम की विकास यात्रा आधुनिकता और परंपरा के संतुलन का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है।

इबोला पर केंद्र सरकार का देशवासियों को परामर्श, कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की यात्रा करने से बचें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इबोला प्रभावित देशों में बदलती स्थिति को देखते हुए और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सिफारिशों के अनुरूप सभी भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। कांगो, युगांडा और उसकी सीमा से लगे दक्षिण सूडान और अन्य देशों में बीमारी फैलने सबसे अधिक खतरा है। स्वास्थ मंत्रालय ने यह परामर्श जारी किया है। परामर्श के अनुसार भारतीय नागरिक जो वर्तमान में इन देशों में रह रहे हैं या यात्रा कर रहे हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें और अतिरिक्त सावधानी बरतें। डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति ने 22 मई को आगमन के प्रवेश बिंदुओं पर बीमारी की निगरानी को मजबूत करने के लिए कुछ अस्थायी सिफारिशें जारी कीं। इन सिफारिशों में 'बुंडिबुग्यो वायरस पाए जाने वाले क्षेत्रों की यात्रा न करने' की भी सलाह दी गई है। भारत में बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण होने वाली इबोला बीमारी का अबतक कोई भी मामला सामने नहीं आया है। इबोला रोग एक वायरल हेमोरेजिक बुखार है, जो इबोला वायरस के 'बुंडीबुग्यो' स्ट्रेन के संक्रमण के कारण होता है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक है। वर्तमान में बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के कारण होने वाले इबोला रोग की रोकथाम या उपचार के लिए किसी भी टीके या विशिष्ट उपचार को मंजूरी नहीं दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम, 2005 के तहत 17 मई को इस स्थिति को 'अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया था। अफ्रीकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और युगांडा को प्रभावित करने वाले बुंडिबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस रोग के मौजूदा प्रकोप को आधिकारिक तौर पर 'महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

अधिकारों का अहंकार लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा

भारत के लोकतंत्र को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक ढांचा माना जाता है। 1950 में लागू हुए संविधान ने देश के नागरिकों को समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार, संस्कृति और शिक्षा संबधी अधिकारी के साथ ही न्याय की गारंटी दी है। संविधान निर्माताओं ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के रूप में ऐसी त्रिस्तरीय व्यवस्था तैयार की, जिसका उद्देश्य शक्ति का संतुलन बनाए रखना और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना था। लेकिन वर्तमान समय में यह प्रश्न गंभीरता से उठने लगा है कि क्या ये संस्थाएं अपने मूल दायित्वों का निर्वाह उसी निष्पक्षता और संवेदनशीलता से कर रही हैं, जिसकी अपेक्षा संविधान निर्माताओं ने की थी।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। जब नागरिक अपने मताधिकार से सरकार चुनते हैं, तो वे केवल सत्ता नहीं सौंपते, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य की रक्षा की जिम्मेदारी भी राज्य को देते हैं। संविधान ने स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित किया कि कोई भी संस्था निरंकुश न हो। विधायिका कानून बनाएगी, कार्यपालिका उन्हें लागू करेगी और न्यायपालिका इस बात की निगरानी करेगी कि संविधान और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन न हो। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा मजबूत होती दिखाई दे रही है कि सत्ता और अधिकार का केंद्रीकरण बढ़ रहा है। सरकारें कठोर कानून बना रही हैं, जांच एजेंसियां लंबे समय तक लोगों को जेलों में बंद रख रही हैं और अदालतों में न्याय मिलने में असामान्य देरी हो रही है। इससे नागरिकों के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या न्याय केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है।

भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत है, "जमानत नियम है और जेल अपवाद।" इसके बावजूद आज अनेक मामलों में आरोपी वर्षों तक विचाराधीन कैदी के रूप में जेलों में बंद रहते हैं। कई बार मुकदमे शुरू तक नहीं हो पाते, जबकि आरोपी अपनी संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देता है। यह स्थिति केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक संकट में धकेल देती है। चिंता की बात यह है कि कठोर कानूनों के नाम पर व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था जरूरी हैं, लेकिन इनके नाम पर मौलिक अधिकारों की अनदेखी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं मानी जा सकती। जब कानून का प्रयोग समान रूप से न होकर चयनात्मक रूप से होता दिखाई देता है, तब नागरिकों का विश्वास कमजोर होने लगता है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

हमारे 94 फीसदी से ज्यादा फॉलोअर्स और दर्शक भारत से ही हैं: दिपके

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर अब एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने इस प्लेटफॉर्म को मिलने वाले समर्थन के पीछे पाकिस्तान और अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस का हाथ होने का इशारा किया है। इसके बाद पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस पर पलटवार किया है। बता दें रिजिजू ने इस डिजिटल आंदोलन पर तीखा हमला बोला था। रिजिजू ने लिखा- मुझे उन लोगों पर तरस आता है जो सोशल मीडिया पर पाकिस्तान और जॉर्ज सोरोस गैंग से अपने फॉलोअर्स तलाशते हैं। भारत के पास अपनी पर्याप्त आबादी और अत्यधिक ऊर्जावान युवा हैं, जो वास्तविक और मूल्यवान फॉलोअर्स बन सकते हैं। भारत विरोधी गैंग से सत्यापन लेने की कोई जरुरत नहीं है। केंद्रीय मंत्री के इस बयान के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने एक्स पर एक स्क्रीन रिकॉर्डिंग शेयर की। अभिजीत दिपके ने दावा किया कि यह उनके आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दर्शकों का डेमोग्राफिक डेटा है, जिसे उनका अकाउंट हैक होने से पहले मीडिया के साथ भी साझा किया गया था। दिपके ने रिजिजू को टैग करते हुए लिखा- डेटा के मुताबिक हमारे 94 फीसदी से ज्यादा फॉलोअर्स और दर्शक भारत से ही हैं। आखिर एक केंद्रीय मंत्री भारतीय युवाओं को पाकिस्तानी का टैग क्यों दे रहे हैं? यह डिजिटल आंदोलन महज एक हफ्ते के अंदर देश के सबसे बड़े सोशल मीडिया पेजों में से एक बन गया है।

क्वेटा में रेलवे ट्रैक पर धमाका, 23 की मौत, 30 घायल

क्वेटा। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में एक बड़ा और भीषण बम धमाका हुआ है, जिसमें भारी संख्या में जान-माल के नुकसान की खबर है। शुरुआती स्थानीय रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह जोरदार धमाका क्वेटा में फ्रंटियर कोर के हेडक्वार्टर के गेट के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर हुआ। विस्फोट उस समय हुआ जब कैंट की तरफ से आ रही एक ट्रेन वहां से गुजर रही थी। धमाका इतना शक्तिशाली था कि ट्रेन की एक बोगी के परखच्चे उड़ गए, कई डिब्बे पटरी से उतर गए और रेलवे ट्रैक के आसपास के इलाके में भीषण आग लग गई। जानकारी के अनुसार, इस दिल दहला देने वाले हादसे में कम से कम 23 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 30 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। सभी घायलों को इलाज के लिए क्वेटा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है। धमाके के बाद आसमान में धुएं का भयंकर गुबार देखा गया और रेलवे ट्रैक के पास खड़े कई वाहन भी जलकर खाक हो गए। यह हादसा क्वेटा के मन फाटक इलाके में पेश आया है। यह आत्मघाती हमला ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर ने क्वेटा का दौरा किया था और वहां तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों व सैनिकों से बातचीत कर सुरक्षा माहौल की समीक्षा की थी। सेना के इस दौरे के बीच ही उग्रवादियों ने इस बड़े हमले को अंजाम दिया है।

कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है: पूनावाला

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के मुस्लिम नेताओं से बैठक में एक ऐसी बात कह दी, जिसे लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। उन्होंने मुस्लिम नेताओं को अपने समुदाय से जुड़े मुद्दों को मुखरता से उठाने और उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में राहुल गांधी ने कहा, कि अगर किसी मुसलमान के साथ अन्याय होता है तो उन्हें केवल 'अल्पसंख्यक' समूह के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि विशेष रूप से एक 'मुसलमान' के रूप में अपनी आवाज उठानी चाहिए। इसी के साथ राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक में इस बात पर भी जोर दिया कि अगर दलितों, ओबीसी या सामान्य वर्ग के सदस्यों पर हमले होते हैं तो

उस विशिष्ट समुदाय की स्पष्ट रूप से पहचान करके इस मुद्दे को उठाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने जिस तरह से मुसलमानों के संदर्भ अपनी बात रखी उस पर राजनीति गरमा गई। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला। पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के इस कमेंट से कांग्रेस और उनके नेता के माइंडसेट का पता चलता है। इससे ये भी साफ होता है कि कांग्रेस मुस्लिमों की पार्टी है।

केंद्र का पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, एलएनजी, हाइड्रोजन के डिस्पेंसर की जांच और पुनः सत्यापन व्यवस्था को मजबूत करने का फैसला

एजेंसी। नई दिल्ली

जीएटीसी के दायरे में लाया गया

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसर (ईंधन भरने की मशीनें) की जांच और पुनः सत्यापन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने लीगल मेट्रोलॉजी नियमों में संशोधन कर इन ईंधन डिस्पेंसर को सरकार से अनुमोदित परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) व्यवस्था के दायरे में शामिल किया है। इससे ईंधन माप प्रणाली की सटीकता और पारदर्शिता बढ़ेगी। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत उपभोक्ता मामले विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (सरकार से अनुमोदित परीक्षण केंद्र) नियम, 2013 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, संशोधन के तहत अब पेट्रोल-डीजल, सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसरों की जांच तथा पुनः सत्यापन भी जीएटीसी के माध्यम से किया जा सकेगा। इसके साथ ही जीएटीसी के तहत सत्यापन योग्य उपकरणों की कुल संख्या बढ़कर 23 हो गई है। सरकार ने कहा कि देश में स्वच्छ ईंधनों के उपयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसर को इस ढांचे में शामिल करने से ईंधन आपूर्ति में सटीकता सुनिश्चित होगी और उपभोक्ताओं को पारदर्शी सेवाएं मिल सकेंगी। इससे स्वच्छ ईंधन अवसंरचना को भी मजबूती मिलेगी। मंत्रालय के अनुसार, सरकार से अनुमोदित परीक्षण केंद्र ऐसे संस्थान हैं, जिनके पास माप एवं तौल उपकरणों की जांच और पुनः सत्यापन के लिए आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना उपलब्ध होती है। निजी प्रयोगशालाओं और उद्योगों की भागीदारी से देश की सत्यापन क्षमता बढ़ेगी और सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। संशोधित नियमों के तहत राज्य सरकारों को भी अपने यहां अतिरिक्त श्रेणी के माप एवं तौल उपकरणों को जीएटीसी व्यवस्था के तहत अधिसूचित करने का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा संयुक्त सचिव और उससे ऊपर के अधिकारियों को नियमों के तहत अनुमोदन संबंधी मामलों में अधिकार दिए गए हैं, ताकि प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा सके। सरकार ने पेट्रोल और डीजल डिस्पेंसर के सत्यापन शुल्क को 5 हजार रुपये प्रति नोजल तय किया है, जबकि सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसरो के लिए यह शुल्क 10 हजार रुपये प्रति नोजल निर्धारित किया गया है।

सर्वर डाउन के चलते सीबीएसई री-इवैल्यूएशन के आवेदन नहीं कर पा रहे स्टूडेंट

नई दिल्ली। सीबीएसई ने 19 मई से आंसर-शीट की स्कैन कॉपी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की है, लेकिन तकनीकी

खामियों से वेबसाइट पिछले पांच दिनों से लगातार क्रैश हो रही है। आज आवेदन की आखिरी तारीख है, लेकिन वेबसाइट लोड ही नहीं हो पा रही। अगर साइट खुल भी जाए, तो एक स्टेप बढ़ने के लिए पेज को कम से कम 10 बार रिफ्रेश करना पड़ रहा है। जिन छात्रों ने 3-4 दिन पहले आवेदन किया था, उन्हें न तो अभी तक कॉपी मिली है और न ही मेल या टेक्स्ट के जरिए कोई जानकारी। सर्वर डाउन, पेमेंट फेल होने और धुंधले पन्नों जैसी तकनीकी दिक्कतों पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने संज्ञान लिया है। उन्होंने बोर्ड से जिम्मेदार एजेंसियों की जवाबदेही पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुछ छात्रों को सुबह 11:30 बजे पेमेंट सफल होने और एप्लीकेशन सबमिट होने का मैसेज मिला, शाम 6:45 बजे अचानक मैसेज आया कि उनके पैसे रिफंड कर दिए गए हैं और आवेदन सबमिट ही नहीं हुआ। स्टूडेंट इस बात से परेशान हैं कि अगर समय पर कॉपी नहीं मिली, तो वे अपनी कॉपियों के री-इवैल्यूएशन के लिए समय पर आवेदन कैसे कर पाएंगे।

भारत को दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बनने से कोई नहीं रोक सकता

रक्षामंत्री बोले- सरकार रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की हिस्सेदारी 50फीसद करेगी

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र के शिर्डी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को एनआईबीबीई ग्रुप की रक्षा उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जो भारत कभी हथियारों का आयातक था, उसे अगले 25-30 सालों में दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बनने से अब कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि सरकार रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की हिस्सेदारी 50फीसदी तक बढ़ाना चाहती है। राजनाथ सिंह ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ पूरी फैक्ट्री का निरीक्षण किया और भारत के पहले 300 किलोमीटर रेंज वाले यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम 'सूर्यास्त्र' को हरी झंडी दिखाई। बाद में दोनों नेताओं

ने शिर्डी साईं बाबा मंदिर में दर्शन किए। कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान भी मौजूद थे। रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि यह छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि है और उनकी प्रेरणा से भारत महाराष्ट्र में आत्मनिर्भरता का मजबूत किला खड़ा कर रहा है। उन्होंने एनआईबीई ग्रुप के सीएमडी गणेश निबे की तारीफ करते हुए कहा कि इस परियोजना ने यह साबित किया है कि भारत में प्रतिभा और नवाचार की कोई कमी नहीं है।

कैलिफोर्निया में केमिकल टैंक लीक, 40 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा

एजेंसी। कैलिफोर्निया

कई स्कूल किए बंद, घटना में किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं

अमेरिका के कैलिफोर्निया में केमिकल टैंक लीक हो गया। एयरोस्पेस फैक्ट्री में रखा केमिकल टैंक शुक्रवार को ओवरहीट हो गया था। इसके बाद आसपास के करीब 40 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। कई स्कूल बंद कर दिए गए और राहत शिविर खोले गए हैं। कैलिफोर्निया के ऑरेंज काउंटी स्थित गार्डन ग्रोव शहर की है। यहां जीकेएन एयरोस्पेस नाम की कंपनी में मिथाइल मेथाक्रिलेट नाम का रसायन रखने वाला प्रेशराइज्ड टैंक गर्म हो गया और उससे जहरीली गैस लीक हो गई। ऑरेंज काउंटी फायर अथॉरिटी के अधिकारियों के मुताबिक टैंक फट सकता है या उसमें दरार आ सकती है, जिससे जहरीला केमिकल जमीन पर फैल सकता है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि टैंक में करीब 22,700 से 26,500 लीटर प्लास्टिक बनाने वाला खतरनाक केमिकल मिथाइल मेथाक्रिलेट भरा है। फायर अधिकारियों ने कहा कि हालात गंभीर हैं और टैंक को फटने से रोकने की कोशिश जारी है। लोगों से अफवाहों और गैरजरूरी कॉल से बचने की अपील की है। शुरुआत में सिर्फ गार्डन ग्रोव के लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया था, लेकिन बाद में खतरा बढ़ने पर ऑरेंज काउंटी के पांच अन्य शहरों साइप्रस, स्टैंटन, अनाहिम, बुएना पार्क और वेस्टमिंस्टर के कुछ इलाकों से भी लोगों को सुरक्षित जगह भेजा गया। हालांकि डिज्नीलैंड के दोनों थीम पार्क फिलहाल इवैक्यूएशन जोन में शामिल नहीं हैं। प्रशासन ने तीन हाई स्कूलों समेत कई जगहों पर शेल्टर होम बनाए हैं, जहां लोगों को अस्थायी रूप से रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 25 मई को मिजोरम में 32.15 करोड़ की मत्स्य परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन-शिलान्यास

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मत्स्य पालन एवं पशुपालन मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह 25 मई को मिजोरम में 32.15 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण मत्स्य पालन परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में आधुनिक, टिकाऊ और आत्मनिर्भर मत्स्य पालन व्यवस्था को बढ़ावा देना है। मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन मंत्रालय के अनुसार आइजोल में "क्षेत्रीय समीक्षा बैठक : पूर्वोत्तर क्षेत्र-2026" कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजीव रंजन सिंह मंत्री "प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना" (पीएमएमएसवाई) और मत्स्य एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास कोष (एफआईडीएफ) के तहत विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह पहल पूर्वोत्तर राज्यों में मत्स्य पालन क्षेत्र को सशक्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार तथा आजीविका के अवसर बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री क्षेत्र के मत्स्य पालन लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे। इनमें मत्स्य पालन किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), सर्वश्रेष्ठ मत्स्य पालन स्टार्टअप तथा उत्कृष्ट मत्स्य सहकारी समितियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल तथा जॉर्ज कुरियन भी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मत्स्य पालन एवं पशुपालन विभागों के मंत्री, विभागीय सचिव और केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी क्षेत्रों में संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करना है। साथ ही किसानों के कल्याण, सतत क्षेत्रीय विकास और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के लिए भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं और पहलों का शुभारंभ भी किया जाएगा। इनमें बहुउद्देशीय डेयरी सहकारी समितियों (एमडीसीएस) के विस्तार के लिए ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण की शुरुआत, अफ्रीकी स्वाइन फीवर जागरूकता फिल्म का विमोचन, "सूअर पालन में अच्छी पशुपालन पद्धतियाँ" पुस्तिका का लोकार्पण तथा मिजोरम मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड द्वारा 'मुलकों' गाय के घी की लॉन्चिंग शामिल है।

एक बार फिर व्हाइट हाउस के बाहर अंधाधुंध गोलीबारी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान व्हाइट हाउस के बाहर सुरक्षा चौकी पर अचानक अंधाधुंध फायरिंग की घटना सामने आई है। वहां तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हमलावर को गोली मारकर अपनी गिरफ्त में ले लिया। इस घटना में हमलावर समेत दो लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक जांच के अनुसार, हमलावर मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा है, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने अभी तक उसकी आधिकारिक पहचान और हमले के कारणों का खुलासा नहीं किया है। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना वाइट हाउस के पास स्थित 17वीं स्ट्रीट और पेनसिलवानिया अवेन्यू के सुरक्षा जांच केंद्र पर हुई। एक संदिग्ध व्यक्ति अचानक चौकी की तरफ बढ़ा और उसने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाकर्मियों की गोली लगने से वह वहीं गिर पड़ा। इस घटना की पुष्टि करते हुए एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर चुकी हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

मुख्यमंत्री ने वर्षों बाद बिजली कनेक्शन पाने वाले 36 परिवारों से की मुलाकात

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज हर्ष विहार ए-3 के वर्षों बाद बिजली कनेक्शन पाने वाले 36 परिवारों के सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कि इन 36 परिवारों ने बिजली कनेक्शन के लिए वर्षों तक इंतजार किया है, और आज उनके चेहरों पर दिख रहा सुकून इस बात का प्रमाण है कि संवेदनशील प्रयास लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाते हैं। उन्होंने कहा आज परिवारों के सदस्यों से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि हमारी सरकार दिल्ली की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है।मुख्यमंत्री ने बताया कि जन सुनवाई के दौरान जब इन परिवारों ने मेरे समक्ष यह विषय रखा कि 2018 से वो बिजली कनेक्शन की प्रतीक्षा कर रहे हैं तो तत्काल आवश्यक निर्देश दिए गए। मिशन मोड में ट्रांसफॉर्मर लगाकर नए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

युवक की चाकू घोपकर हत्या, एक आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में 31 वर्षीय युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दो अन्य की तलाश जारी है। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने रविवार को बताया कि 23 मई को शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र में चाकूबाजी की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम महादेव चौक इलाके में पहुंची। इसके बाद पुलिस घायल को देखने के लिए पूठ खुर्द स्थित अस्पताल पहुंची। घायल की पहचान प्रहलादपुर स्थित गुप्ता कॉलोनी निवासी 31 वर्षीय नारायण दत्त के रूप में हुई। मेडिकल जांच रिपोर्ट (एमएलसी) में शरीर पर धारदार हथियार से कई वार होने की पुष्टि हुई। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने घायल को बयान देने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान फुटेज में तीन युवक नारायण दत्त पर हमला करते दिखाई दिए। इसके आधार पर शाहबाद डेयरी थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बाद में घायल नारायण दत्त को इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धारा भी जोड़ दी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच के दौरान पुलिस की विशेष टीमों को आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगाया गया। लगातार छापेमारी और तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने वारदात में शामिल एक आरोपित सूरज (20) को गिरफ्तार कर लिया। वह शाहबाद डेयरी इलाके का रहने वाला है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फरार दो अन्य आरोपितों की तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच कर वारदात के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि किसी पुराने विवाद के बाद वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

पहले हादसा लगा, सीसीटीवी जांच में खुला हत्या का राज, चौकीदार को कार से दो बार कुचलने का आरोप

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बाहरी जिले के पश्चिम विहार पश्चिम थाना क्षेत्र में रविवार तड़के सामने आए एक संदिग्ध सड़क हादसे के मामले ने जांच के दौरान हत्या का रूप ले लिया। शुरुआती तौर पर इसे सड़क दुर्घटना माना जा रहा था, लेकिन सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच में सामने आया कि 60 वर्षीय चौकीदार को एक चार पहिया वाहन ने दो बार कुचला था। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।बाहरी जिले के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने रविवार को बताया कि सुबह करीब 4:03 बजे पश्चिम विहार पश्चिम थाने में एक व्यक्ति के सड़क हादसे में घायल होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल पीरागढ़ी गांव के प्रवेश द्वार के पास स्थित टेंपो स्टैंड, श्री सिद्ध बाबा मंदिर के नजदीक था। मौके पर पीरागढ़ी गांव निवासी 60 वर्षीय बिजेंद्र मृत अवस्था में पड़े मिले। प्रारंभिक जांच में पता चला कि वह टेंपो स्टैंड पर चौकीदार के रूप में काम करते थे। घटनास्थल के निरीक्षण के दौरान पुलिस को सड़क पर वाहन के टायरों के निशान मिले, जिससे मामला संदिग्ध लगा। इसके बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला गया। जांच के दौरान सामने आया कि एक चार पहिया वाहन ने बिजेंद्र को दो बार कुचला था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) और 3(5) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच के लिए पश्चिम विहार सब डिवीजन की विशेष टीमों और बाहरी जिला पुलिस की ऑपरेशन यूनिट को लगाया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के पीछे की वजह और वाहन चालक की पहचान करने के लिए कई पहलुओं पर जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपित तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय गौरव के साथ राष्ट्रीय चेतना को जागृत कियाः बांसुरी स्वराज

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर रविवार को यहां आयोजित जनजातीय सांस्कृतिक समागम को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने न केवल जनजातीय गौरव और अधिकारों के लिए संघर्ष किया बल्कि राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान के लिए भारतवर्ष सदैव उनका ऋणी रहेगा। सांसद बांसुरी स्वराज ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज लालकिला से शोभायात्रा निकाली गई है। जनजातीय सांस्कृतिक समागम एक बड़ा आयोजन है, जो भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को समर्पित है। जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आयोजित इस समागम में पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे जनजातीय पुरुषों और महिलाओं की रंगारंग सांस्कृतिक शोभायात्राएं निकाली गईं। इन शोभायात्राओं में प्रतिभागी अपने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ दिल्ली के पांच अलग-अलग स्थानों से चलकर अंत में लाल किला के मुख्य स्थल पर एकत्रित हुए। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता प्रदर्शित करते हुए जनजातीय लोक नृत्य, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और प्रदर्शनियां प्रस्तुत की जाएगी।

रचनात्मक कांग्रेस ने अमरीश रंजन पांडेय को राष्ट्रीय संचार प्रभारी नियुक्त किया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। रचनात्मक कांग्रेस ने अमरीश रंजन पांडेय को संगठन की राष्ट्रीय इकाई का संचार प्रभारी नियुक्त किया है। संगठन के अध्यक्ष संदीप दीक्षित की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में यह जानकारी दी गई।नियुक्ति पत्र के अनुसार, अमरीश रंजन पांडेय को सामाजिक-राजनीतिक समझ, संचार क्षमता और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।पत्र में मीडिया एवं संचार से जुड़े दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। इसके तहत संगठन की ओर से होने वाले सभी आधिकारिक संवाद, प्रेस वार्ता, सार्वजनिक बयान, सोशल मीडिया गतिविधियां और मीडिया समन्वय संगठन की विचारधारा, मूल्यों और आधिकारिक रुख के अनुरूप रखने को कहा गया है। अधिवक्ता अमरीश रंजन पांडेय भारत के सर्वोच्च न्यायालय, दिल्ली उच्च न्यायालय तथा विभिन्न न्यायाधिकरणों और आयोगों में व्यापक अनुभव रखने वाले एक प्रतिष्ठित वकील हैं। कानूनी पेशे के साथ-साथ उन्होंने पिछले दस वर्षों में राजनीतिक संचार, जनसंपर्क और मीडिया प्रबंधन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे पूर्व में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता रह चुके हैं और राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) में भी प्रमुख दायित्व संभाल चुके हैं।

दंतेवाड़ा में बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर बने सीख और आत्मविश्वास का केंद्र

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के 17 गांवों में वंचित समुदायों के बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से 25 दिवसीय 20 ग्रीष्मकालीन शिविरों की शुरुआत की गई है। इन शिविरों का उद्देश्य बच्चों को गर्मी की छुट्टियों के दौरान शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और खेलकूद से जोड़कर उनके व्यक्तित्व और कौशल का विकास करना है। इस्पात मंत्रालय के अनुसार, यह विशेष पहल 20 मई से 15 जून-2026 तक राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) द्वारा शिक्षा और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत संगठन डब्ल्यूओएससी के सहयोग से संचालित की जा रही है। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को सकारात्मक और रचनात्मक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिससे वे आत्मविश्वास और नई सीख के साथ आगे बढ़ सकें। इस अभियान के तहत लगभग 1700 बच्चों को अनुभवात्मक शिक्षा, कला, संगीत, हस्तशिल्प और खेल गतिविधियों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकांश गांवों में शिविर शुरू हो चुके हैं, जबकि बच्चों की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए अतिरिक्त बैच शुरू करने की तैयारी भी की जा रही है। वर्तमान में प्रत्येक गांव में प्रतिदिन 30 से 40 बच्चे शिविरों में भाग ले रहे हैं। बच्चे प्रतिदिन तीन से चार घंटे तक विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। इन गतिविधियों में पढ़ाई के साथ-साथ हस्तशिल्प निर्माण, चित्रकला, संगीत कार्यशालाएं और रचनात्मक अभ्यास शामिल हैं। इसके बाद बच्चे फ्रिसबी, कबड्डी और खो-खो जैसे पारंपरिक खेलों में भाग लेकर शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रहते हैं। दिन के अंत में बच्चों को पौष्टिक और स्वस्थ जलपान भी उपलब्ध कराया जाता है।शिविरों के माध्यम से बच्चों में टीमवर्क, अनुशासन, संवाद क्षमता और नेतृत्व कौशल विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजकों का मानना है कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के भीतर आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देते हैं।एनएमडीसी ने कहा कि शिक्षा और सामुदायिक विकास से जुड़ी यह पहल ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को नई दिशा देने का प्रयास है। संस्था का मानना है कि बच्चों को रचनात्मक और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखी जा सकती है। स्थानीय स्तर पर भी इस पहल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। अभिभावकों और ग्रामीणों का कहना है कि शिविर बच्चों को केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि सीखने और आत्मविश्वास विकसित करने का बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की गतिविधियां बच्चों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

दिल्ली सरकार ने 1000 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी, 12 नए सीवेज प्लांट लगेंगे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली जल प्रबंधन, सीवेज ट्रीटमेंट और जलापूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री की तरफ से रविवार को जारी जानकारी के मुताबिक नजफगढ़ क्षेत्र में 12 नए डिसेंट्रलाइज्ड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (डीएसटीपी) लगाने की मंजूरी दी गई है। करीब 860 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इन प्लांटों की कुल क्षमता 46.5 एमजीडी होगी और इन्हें केंद्र सरकार की अमृत योजना के तहत विकसित किया जाएगा। इनमें मित्राऊं में 17 एमजीडी क्षमता का डीएसटीपी बनाया जाएगा। इसके अलावा कैर, कांगनहेड़ी, ककरोला और दिचाऊं कलां में 4, गालिबपुर, सारंगपुर और शिकारपुर में 3 और हसनपुर, जाफरपुर, काजीपुर और खेड़ा डाबर में 4 डीएसटीपी स्थापित किए जाएंगे। इन परियोजनाओं से 121 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियों, 35 गांवों और लगभग सात लाख लोगों को लाभ मिलेगा। साथ ही, अनुपचारित सीवेज को नजफगढ़ ड्रेन में जाने से रोका जा सकेगा, जिससे यमुना की सफाई और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।मुख्यमंत्री ने बताया कि केशोपुर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के पहले चरण का अपग्रेडेशन और क्षमता विस्तार किया जाएगा। इसके तहत प्लांट की क्षमता 12 एमजीडी से बढ़ाकर 18 एमजीडी की जाएगी। करीब 122 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के जरिए उपचारित जल की गुणवत्ता को नवीनतम मानकों के अनुरूप बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि परियोजना में 11 वर्षों तक संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) की व्यवस्था भी शामिल होगी। इससे रिसाइकल्ड पानी के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा और जल संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिलेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि भूजल स्तर में सुधार और जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार ने वर्षा जल संचयन (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। अब दिल्ली जल बोर्ड विभिन्न विभागों की ओर से नए वर्षा जल संचयन ढांचों का निर्माण और पुराने ढांचों के पुनर्स्थापन का कार्य करेगा। इस पहल को प्रभावी बनाने के लिए चार ग्राउंड वॉटर एक्सपर्ट्स और दस रेन वाटर हार्वेस्टिंग सोशल मोबिलाइजर्स की नियुक्ति भी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र में अमीचंद चौक से पुराना कल्याणपुरी सीवेज पंपिंग स्टेशन तक लगभग 57 करोड़ रुपये की लागत से प्रमुख ट्रंक सीवर लाइन का पुनर्वास किया जाएगा। यह लाइन 40 वर्ष से अधिक पुरानी हो चुकी है और पिछले कुछ वर्षों में इसमें कई बार धंसाव और तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं। नई परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र की सीवरेज व्यवस्था अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और प्रभावी बनेगी। इसका अलावा, शाहदरा विधानसभा क्षेत्र के रोहतास नगर में 0.72 एमजीडी क्षमता वाला नया अंडरग्राउंड रिजर्वायर (यूजीआर) और बूस्टर पंपिंग स्टेशन स्थापित किया जाएगा। लगभग 27 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से स्थानीय जलापूर्ति प्रणाली को सुदृढ़ किया जाएगा।

कैप्टन प्रवीण डावर के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर डॉ. जया शुक्ला ने जताया हर्ष

जय शुक्ला जी

दिल्ली : अखिल भारतीय कांग्रेस के विचार विभाग की वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जया शुक्ला ने कैप्टन प्रवीण डावर को विचार विभाग का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, श्री राहुल गांधी तथा पार्टी नेतृत्व का हार्दिक आभार व्यक्त किया। डॉ. शुक्ला ने कहा कि कैप्टन डावर एक अत्यंत सक्षम, विद्वान और गंभीर चिंतन रखने वाले नेता हैं। वे विषयों को गहराई से समझकर उन पर मजबूत पकड़ रखते हैं। उनके लेखों और लिखी गई पुस्तकों से उनकी वैचारिक स्पष्टता और अध्ययनशीलता का परिचय मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि कैप्टन डावर एक स्वतंत्रता सेनानी के सुपुत्र हैं और उनमें देशभक्ति कूट-कूट कर भरी हुई है। सेना की पृष्ठभूमि होने के कारण उनमें अनुशासन, समर्पण और नेतृत्व क्षमता भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। डॉ. जया शुक्ला ने विश्वास व्यक्त किया कि कैप्टन प्रवीण डावर के नेतृत्व में कांग्रेस का विचार विभाग नई ऊर्जा, मजबूती और वैचारिक दिशा के साथ आगे बढ़ेगा।

इबोला संकट से निपटने के लिए भारत ने अफ्रीका को भेजी चिकित्सा सहायता की पहली खेप

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अफ्रीका में तेजी से फैल रहे इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने के लिए मानवीय सहायता के तहत चिकित्सा सामग्री और सुरक्षा किटों की पहली खेप रविवार को रवाना कर दी। यह सहायता अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी) को भेजी गई है।विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत उभरते इबोला जन स्वास्थ्य आपातकाल से निपटने में अफ्रीकी देशों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, "इबोला संकट से निपटने में अफ्रीका का समर्थन करने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।"भारत द्वारा भेजी गई इस सहायता में चिकित्सा उपयोग की आवश्यक सामग्री, सुरक्षा उपकरण और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए विशेष सुरक्षा किट शामिल हैं। इन संसाधनों का उपयोग प्रभावित क्षेत्रों में संक्रमण नियंत्रण, मरीजों की देखभाल और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। अफ्रीका के कई हिस्सों में इबोला संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग और संसाधनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। ऐसे समय में भारत की यह पहल वैश्विक एकजुटता और साझेदारी का महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इबोला जैसी संक्रामक बीमारी से निपटने के लिए त्वरित चिकित्सा सहायता, सुरक्षा उपकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग अत्यंत आवश्यक हैं। भारत पहले भी विभिन्न देशों को स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान दवाइयां, वैक्सीन और चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराता रहा है।भारत सरकार ने संकेत दिए हैं कि आवश्यकता पड़ने पर आने वाले दिनों में अतिरिक्त सहायता सामग्री भी भेजी जा सकती है, ताकि प्रभावित देशों को राहत और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिल सके।

एनएमडीसी ने दक्षिण बस्तर के 17 गांवों में लगाया समर कैंप, 1700 बच्चे लेंगे भाग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में जनजातीय समुदायों के बच्चों के लिए 17 गांवों में समर कैंप शुरू किया है। यह कैंप 20 मई से शुरू किया गया है, जो 15 जून तक चलेगा।केंद्रीय स्पात मंत्रालय के अनुसार इस पहल के तहत करीब 1700 बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अनुभवात्मक शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और खेलों से जोड़ा जाएगा। अधिकांश गांवों में गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं, जबकि बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। वर्तमान में प्रत्येक गांव में प्रतिदिन 30 से 40 बच्चे कैंप में भाग ले रहे हैं। कैंप में बच्चे प्रतिदिन तीन से चार घंटे तक पठन-पाठन, शिल्पकला और संगीत कार्यशालाओं में हिस्सा ले रहे हैं। इसके बाद फ्रिसबी, कबड्डी और खो-खो जैसे खेल आयोजित किए जा रहे हैं। दिन का समापन पौष्टिक अल्पाहार के साथ किया जा रहा है। एनएमडीसी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रचनात्मक शिक्षा के अवसर सीमित होने के कारण यह पहल बच्चों की प्रतिभा और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगी। कंपनी की ओर से इसे गांवों के समग्र विकास और वंचित समुदायों के बच्चों में सामाजिक एवं आत्मविश्वास से जुड़ी क्षमताओं के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। समर कैंप में बच्चों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आने वाले दिनों में इस पहल का और विस्तार किया जाएगा।

'एक पेड़ मां के नाम' के तहत एनडीएमसी ने चलाया पौधारोपण कार्यक्रम

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में कहा कि यह केवल पर्यावरण संरक्षण का अभियान नहीं बल्कि भावनात्मक और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा जन आंदोलन है। पौधा लगाना आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव रखने जैसा है और यह मां तथा प्रकृति के प्रति सम्मान व्यक्त करने का माध्यम भी है।एनडीएमसी उपाध्यक्ष चहल ने रविवार को जोरबाग स्थित एनडीएमसी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स 'अमृत काल निवास' में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का नेतृत्व किया। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों, आरडब्ल्यूए सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लेकर अपनी माताओं के नाम पर पौधे लगाए। चहल ने कहा कि एनडीएमसी ने बिना किसी रविवार का अंतराल किए लगातार 25 सप्ताह तक इस अभियान को जारी रखा है। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक कार्यक्रमों के अलावा एनडीएमसी विभिन्न विश्वविद्यालयों, दूतावासों और अन्य संस्थानों के सहयोग से भी पौधारोपण अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से नई दिल्ली को अधिक हरित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाया जा रहा है। चहल ने कहा कि एनडीएमसी ने पूरे वर्ष के लिए ग्रीन कैलेंडर तैयार किया है, जिसके तहत नई दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उद्यान, स्वास्थ्य, सिविल, स्वच्छता, सड़क, जल आपूर्ति, ड्रेनेज और विद्युत विभाग संयुक्त रूप से लगाए गए पौधों की देखभाल सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनडीएमसी विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित करेगी।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री सूद ने फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 75वें संस्करण में भाग लिया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने राष्ट्रमंडल दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 75वें संस्करण में भाग लिया। मंत्री आशीष सूद ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि फिट इंडिया अभियान और 'संडे ऑन साइकिल' भारत सरकार की एक अनूठी पहल है। मंत्री सूद ने कहा कि यह पहल फिटनेस, लाइफस्टाइल और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रमंडल खेल 2030 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने स्वस्थ और ऊर्जावान भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

संक्षिप्त समाचार

गांव हो या नगर, भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान , लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीषण गर्मी और बढ़ती बिजली मांग के बीच प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन, किसानों, व्यापारियों और उद्योगों को बिजली संकट का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी स्तरों पर सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण दौर में ऊर्जा विभाग पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करे। मुख्यमंत्री रविवार को ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा एवं राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत की उपस्थिति में ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन एवं सभी डिस्कॉम के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता को और सुदृढ़ बनाने तथा गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाए और सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रखरखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़कर 13,388 मेगावाट हो गई है। इसमें अनपरा, ओबरा, हरदुआगंज, परीछा, जवाहरपुर और पनकी जैसे तापीय विद्युत गृहों की 9,120 मेगावाट क्षमता शामिल है, जबकि जल विद्युत परियोजनाओं से 526.4 मेगावाट क्षमता उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त मेजा, घाटमपुर और खुर्जा परियोजनाओं से संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 3,742 मेगावाट क्षमता राज्य को प्राप्त हो रही है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2026 तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में 86 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों से लगभग 10 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन हो रहा है।

दिल्ली, नोएडा, मेरठ मुरादाबाद से भी बेहतर चिकित्सा सुविधा अब ग्राम ढक्का में, गरीबों का होगा मुफ्त इलाज

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: अमरोहा जनपद के हसनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम ढक्का में अब दिल्ली, नोएडा, मेरठ, मुरादाबाद से भी बेहतर चिकित्सा सुविधा 31 मई से मिलनी प्रारंभ हो जाएगी, बताते चलें कि ग्राम ढक्का में 31 मई को प्रारंभ होगा शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, जिसमें गरीबों का मुफ्त या फिर बहुत ही कम दाम पर उचित से उचित सुविधा के साथ इलाज होगा, बताते चलें कि रविवार को शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन एवं एम डी शान चौधरी ने जनपद भर के पत्रकारों के साथ एक भव्य ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य है पैसा कमाना नहीं बल्कि समाज सेवा करना है उन्होंने बताया कि वह आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल किसी बड़े शहर या हाईवे पर भी खोल सकते थे जिसमें वह जमकर धन लाभ भी कमा सकते थे लेकिन उनका जुड़ाव अपने गृह क्षेत्र और गृह क्षेत्र के लोगों से दिल से जुड़ा हुआ है इसलिए उन्होंने अपने सपने को पूरा करने के लिए अपने गृह क्षेत्र में विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त अस्पताल खोलकर समाज सेवा करने का मन बनाया, वही इस अस्पताल के खोलना में उनके पिता, भाई एवं अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान है वहीं उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में आधुनिक मशीनों से उचित से उचित इलाज किया जाएगा, तथा गरीब असहाय लोगों का मुफ्त इलाज भी किया जाएगा, साथ ही उन्होंने बताया कि यदि ईश्वर ना करें कि इलाज के दौरान अस्पताल में किसी मरीज की मृत्यु हो जाती है और यदि मरीज के परिजन बिल पेय करने में असमर्थता व्यक्त करते हैं तो उसका पूरा बिल माफ कर दिया जाएगा, साथ ही उन्होंने बताया कि अस्पताल में सबसे पहले मरीज को हैंडल किया जाएगा उसके बाद काउंटर पर अन्य कार्यवाही अमल में लाई जाएगी उन्होंने इस आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से लैस अस्पताल से लोगों की सेवा करना अपना सपना सरकार होना जैसा बताया, इस मौके पर शान ग्रुप के डायरेक्टर कुणाल कपूर, डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार एवं शान चौधरी के पिता, भाई व मित्रगण सहित पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

बरेली क्लब में सजा ग्लैमर का महाकुंभ

» 'मई क्वीन 2026' बनीं आद्या सिंह, कॉन्फिडेंस और खूबसूरती से जीता सबका दिल

» रैंप पर उतरीं हसीनाएं... तालियों से गूंज उठा बरेली क्लब

लोकतंत्र की शान, (बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा), शनिवार की रात बरेली क्लब में सिर्फ रोशनी ही नहीं, बल्कि खूबसूरती, आत्मविश्वास और टैलेंट का ऐसा संगम देखने को मिला जिसने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौका था बहुप्रतिष्ठित "मई क्वीन बाल-2026" के ग्रैंड फिनाले का, जहां शहर की 20 खूबसूरत प्रतिभागियों ने रैंप पर अपने जलवे बिखेरे। हर कदम पर ग्लैमर था, हर मुस्कान में आत्मविश्वास और हर चेहरे पर जीत का सपना। तीन रोमांचक राउंड के बाद आखिरकार आद्या सिंह ने "मई क्वीन 2026" का ताज अपने नाम कर लिया। जैसे ही उनके नाम की घोषणा हुई, पूरा बरेली क्लब तालियों और सीटियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया और मंच पर जश्न का माहौल बन गया।

भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष कार्यकर्ताओं सहित हाउस अरेस्ट

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: रविवार को भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी एवं दर्जन कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया, बताते चलें कि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक दो दिवसीय अमरोहा दौरे पर हैं जिनको भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी के नेतृत्व में कार्यकर्ता एक चार सूत्रीय ज्ञापन देने जा रहे थे जिसकी सूचना मिलते ही हसनपुर पुलिस ने उन्हें कार्यकर्ताओं सहित उनके कैंप कार्यालय कालखेड़ा में हाउस अरेस्ट कर लिया और ज्ञापन देने जाने से रोक दिया, इस संबंध में जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी ने सरकार द्वारा इस प्रकार से ज्ञापन देने जाने से रोके जाने को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार की दमनकारी नीति है इस स्वतंत्र देश में सभी को अपनी-अपनी बात रखने का हक है, वही आपको बता दें कि ज्ञापन में मुख्य रूप से दी किसान सहकारी चीनी मिल में हुए करोड़ों रुपए के घोटाले की सीबीआई जांच किए जाने तथा दोषियों पर मुकदमा दर्ज कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग रखी गई, एवं जिन किसानों की जमीन गंगा एक्सप्रेसवे में गई है उन्हें उचित अधिक से अधिक मुआवजा जल्द से जल्द दिलाया जाए जाने का भी जिक्र है, साथ ही भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि ने चेतावनी दी है कि यदि हसनपुर स्थित दी किसान सहकारी चीनी मिल में हुए करोड़ों रुपए की घोटाले की जांच नहीं होती है तो भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि इसके विरोध में भूख हड़ताल पर बैठने का काम करेगा, वही बाद में पुलिस कर्मियों ने ज्ञापन लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के माध्यम से उपमुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया, वहीं उपमुख्यमंत्री के अमरोहा से प्रस्थान तक सभी किसान नेता हाउस अरेस्ट रहने की संभावना है, इस मौके पर जिला अध्यक्ष शमशेर अली सैफी, मोहम्मद रिहान, शकील, फिरासत, मोहम्मद अपसार, खुर्शीद खान, आजम आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पत्नी ने प्रेमी और बहन संग मिलकर पति की हत्या की, क्षेत्र में फैली सनसनी

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मंडल मुरादाबाद । उत्तर प्रदेश/मुरादाबाद के थाना मझोला क्षेत्र स्थित आदर्श नगर कृषि कार्यालय के सामने गली में रहने वाले पवन पुत्र कैलाश की हत्या के मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मृतक पवन आदर्श नगर का निवासी बताया जा रहा है, जिसकी उम्र लगभग 33 वर्ष थी। जानकारी के अनुसार पवन का विवाह करीब चार वर्ष पूर्व हुआ था। आरोप है कि उसकी पत्नी आंचल ने अपनी बहन और प्रेमी के साथ मिलकर पवन को मौत के घाट उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। मामले की जानकारी मिलने पर उत्तर प्रदेश पुलिस के थाना मझोला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है तथा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। स्थानीय लोगों ने घटना को बेहद दुखद बताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। जिसमें थाना प्रभारी ने गिरफ्तार कर अपराधियों को जेल भेज दिया गया।

चौधरी सराय में बन रही "सिन्दूर वाटिका" का निरीक्षण राफेल विमान और शेर की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल : नगर पालिका परिषद सम्भल की अध्यक्ष आसिया मुशीर द्वारा चौधरी सराय में विकसित की जा रही भव्य "सिन्दूर वाटिका" में लगाई जा रही राफेल विमान तथा शेर की आकर्षक प्रतिमाओं के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान समाजसेवी एवं वरिष्ठ नेता चौधरी मुशीर अली खान तथा अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी मौके पर पहुंचे और कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि सिन्दूर वाटिका क्षेत्र की सुंदरता और पहचान को नई दिशा देने का कार्य करेगी। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती आसिया मुशीर की सराहना करते हुए कहा कि जनता के लिए बेहतर और आकर्षक विकास कार्य कराना उनकी प्राथमिकता है। वहीं अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी ने निर्माण कार्य को समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर की सुंदरता बढ़ाने के लिए ऐसे विकास कार्य बेहद महत्वपूर्ण हैं और आने वाले समय में यह स्थान लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए नगर पालिका परिषद सम्भल द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों को सराहनीय बताया।

निजी अस्पतालों की मनमानी के खिलाफ उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष हाउस अरेस्ट

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : रविवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक दो दिवसीय अमरोहा दौरे पर आए हुए हैं, जिन्हें विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी एक ज्ञापन देने जा रहे थे जिसकी सूचना मिलते ही राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी एवं अन्य कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया और उन्हें ज्ञापन देने जाने से रोक दिया, इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी ने सरकार कि इस कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बताया कि यह सरकार की दमनकारी नीति है इस स्वतंत्र देश में सभी को अपनी अपनी बात रखने का हक है उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी कीमत पर किसानों की गरीब जनता की आवाज को नहीं दबा सकती है, तैयार किए गए ज्ञापन के अनुसार विभिन्न समस्याओं को लेकर जिसमें अमरोहा एवं मुरादाबाद क्षेत्र के निजी अस्पतालों द्वारा मनमानी फिस वसूलने जेनेरिक साल्ट के बजाय महंगी ब्रांडेड दवाई लिखने और मरीजों को अस्पताल के अंदर स्थित मेडिकल स्टोर से ही दवा खरीदने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाए, साथ ही अस्पतालों में सुरक्षा मांगों की भी अनदेखी का जिक्र किया वही, आरोप लगाया कि एक मंजिल फायर एनओसी लेकर अवैध रूप से तीन से चार मंजिल पर अस्पताल संचालित हो रहा है वहीं अस्पताल नियमों के विरुद्ध घने आवासीय क्षेत्र में चल रहे हैं जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ गया है, आरोप लगाया कि अस्पतालों में डिग्री होल्डर डॉक्टर के नाम पर मान्यता ली जाती है लेकिन वह मौके पर मौजूद नहीं रहते गंभीर ऑपरेशन को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से करवाया जा रहा है जो मरीज के जीवन से सीधा खिलवाड़ है, इस धोखाधड़ी को रोकने के लिए ऑपरेशन थिएटर में पारदर्शी शीशा लगाना अनिवार्य की जाने की भी मांग की ताकि परिजन अधिकृत डॉक्टर को ऑपरेशन करते हुए देख सके, वहीं उन्होंने हसनपुर दी किसान के सहकारी चीनी मिल कालाखेड़ा मिल में हुए करोड़ों रुपए के गन्नातोल घोटाले को लेकर भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जाना था, इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय सिंह भाटी के साथ दर्जनों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान नायब तहसीलदार ने भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए ज्ञापन को हाउस अरेस्ट स्थल पर पहुंचकर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में लिया और उपमुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया,वही आशंका है कि मुख्यमंत्री के अमरोहा से प्रस्थान करने तक किसान नेता हाउस अरेस्ट ही रहेंगे।

जमीयत उलेमा कामराजपुर द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, तालीम पर दिया गया जोर

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। आज रविवार को जमीयत उलेमा शाखा कामराजपुर नजीबाबाद की ओर से सबल बीतरा स्थित नेशनल पब्लिक स्कूल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांव-देहात के स्कूलों और कॉलेजों में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट में फर्स्ट, सेकेंड और थर्ड पोजीशन प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं तथा उच्च अंक हासिल करने वाले बच्चों को इनामात और सर्टिफिकेट देकर उनकी हौसला अफजाई की गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के बच्चों और अभिभावकों में तालीम के प्रति खास जागरूकता देखने को मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता जमीयत उलेमा शाखा कामराजपुर के सदर निसार अहमद ने की, जबकि निजामत के फर्ज संयुक्त रूप से नाज़िम जमीयत यूथ क्लब जिला बिजनौर हाफिज मुनकशिफ आलम, यूनुस एडवोकेट एवं मास्टर मुस्तकीम ने अंजाम दिए। इस अवसर पर हाजी तसलीम विधायक, अनीस विशाल नेताजी, मुफ्ती शम्सुद्दीन जनरल सेक्रेटरी जमीयत उलेमा जिला बिजनौर, मुफ्ती ओवैस अकर्म सदर जमीयत उलेमा बिजनौर, मौलाना मोहम्मद तैय्यब सेक्रेटरी जमीयत उलेमा पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा मुफ्ती मोहम्मद जावेद कासमी नायब सदर जमीयत उलेमा जिला बिजनौर के हाथों छात्र-छात्राओं को शील्ड एवं सर्टिफिकेट वितरित किए गए। हाजी तसलीम विधायक ने जमीयत उलेमा की ओर से बच्चों के सम्मान और हौसला अफजाई की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे बड़ा माध्यम है। वहीं अनीस विशाल नेताजी ने बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश और समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। मौलाना मोहम्मद तैय्यब ने बच्चों और बच्चियों को दिल लगाकर तालीम हासिल करने की नसीहत देते हुए कहा कि वालिदैन को चाहिए कि चाहे एक वक्त खाना कम खाएं मगर अपने बच्चों को जरूर पढ़ाएं। उन्होंने शादी-ब्याह में फिजूल खर्ची से बचते हुए बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने का संदेश दिया। जमीयत उलेमा जिला बिजनौर के नायब सदर एवं नजीबाबाद जमीयत उलेमा के नाजिम-ए-आला मुफ्ती मोहम्मद जावेद कासमी ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि उम्मत-ए-मुस्लिम आज शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ चुकी है, जबकि इस उम्मत की बुनियाद ही इल्म पर रखी गई है। उन्होंने कहा कि हमारे नबी ﷺ पर नाजिल होने वाली पहली वही में भी इल्म हासिल करने पर जोर दिया गया और दुनिया में तरक्की का राज बेहतर तालीम में ही छिपा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में नाजिम भाई खाजिन जमीयत उलेमा कामराजपुर, मोहम्मद शाहिद, गुलफाम इलाही, फैजान भाई, कारी नसीम, कारी मोहम्मद शाकिर, कारी अब्दुर्रज्जाक, शाहिद भाई, एहसान मलिक, मास्टर मुस्तकीम, डॉक्टर अकबर एवं मास्टर जाहिद की विशेष मेहनत और लगन शामिल रही। इस अवसर पर कारी शमीम बिजनौर, कारी मोहम्मद उसामा नजीबाबाद, मौलाना मोहम्मद इम्तियाज नजीबाबाद, मौलाना लईक अहमद जोगी रामपुरी सहित क्षेत्र के गांव-देहात से आए मस्जिदों के इमाम, उलेमा-ए-कराम एवं गणमान्य लोगों की बड़ी संख्या मौजूद रही। कार्यक्रम के सफल संचालन और बेहतर व्यवस्था में हाफिज मुनकशिफ आलम, कन्वीनर जमीयत यूथ क्लब जिला बिजनौर की मेहनत और भागदौड़ को विशेष रूप से सराहा गया।

रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से गिरकर अज्ञात व्यक्ति की मौत

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मंडल मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश/मुरादाबाद जनपद के थाना मूंढापांडे क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से गिरकर एक अज्ञात व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह लगभग 10 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

संभावित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी डॉ. गुलाम मोहम्मद को मिल रहा जनता का अपार समर्थन

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल : सम्भल के वार्ड नंबर 11 सालारपुर कलां से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के संभावित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी डॉ. गुलाम मोहम्मद लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क कर रहे हैं। उनकी सादगी, शिक्षा और समाजसेवा की भावना को देखते हुए क्षेत्र की जनता उन्हें मजबूत और ईमानदार उम्मीदवार के रूप में देख रही है। डॉ. गुलाम मोहम्मद ने कहा कि यदि जनता उन्हें जिला पंचायत सदस्य बनाकर सेवा का अवसर देती है, तो वार्ड नंबर 11 में विकास कार्यों की नई तस्वीर दिखाई देगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की टूटी सड़कें, खस्ताहाल गलियां और नालियों की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर दूर कराया जाएगा। गांवों में नई सड़कें, इंटरलॉकिंग सड़कें, पुलिया निर्माण और जल निकासी की बेहतर व्यवस्था कराई जाएगी ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि गांवों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, हैंडपंप, पानी की टंकियां और पाइपलाइन जैसी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। साथ ही स्ट्रीट लाइट लगवाकर गांवों को रोशन करने का काम किया जाएगा। डॉ. गुलाम मोहम्मद ने यह भी कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने, स्कूल भवनों की मरम्मत, बच्चों के बैठने की व्यवस्था, शौचालय निर्माण और स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। युवाओं के लिए खेल मैदान और पुस्तकालय जैसी सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए गांवों में स्वास्थ्य शिविर, दवा वितरण और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में कार्य कराया जाएगा। किसानों के लिए सिंचाई व्यवस्था, नहर सफाई और खेतों तक बेहतर रास्तों का निर्माण भी प्राथमिकता में रहेगा। उन्होंने कहा कि गरीब, मजदूर, किसान, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा—हर वर्ग के सम्मान और अधिकार की लड़ाई मजबूती से लड़ी जाएगी तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का कार्य पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। डॉ. गुलाम मोहम्मद ने कहा कि जिला पंचायत के माध्यम से क्षेत्र में विकास के हर संभव कार्य कराए जाएंगे, जिनमें मुख्य रूप स गांवों की सड़क एवं इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण नाली निर्माण और जल निकासी व्यवस्था खड़ंजा एवं पुलिया निर्माण गांवों में स्ट्रीट लाइट लगवाना स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, हैंडपंप एवं पानी की टंकी सरकारी स्कूलों की मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण स्कूलों में शौचालय, बाउंड्रीवाल और बैठने की व्यवस्था प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना गांवों में सफाई व्यवस्था एवं कूड़ा निस्तारण तालाबों की सफाई और सौंदर्यीकरण किसानों के लिए सिंचाई व्यवस्था और नहर सफाई गांवों में सामुदायिक भवन एवं बारात घर निर्माण गरीबों के लिए आवास योजनाओं में सहायता वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन एवं सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना युवाओं के लिए खेल मैदान एवं पुस्तकालय की व्यवस्था पशु चिकित्सा एवं पशुपालन से जुड़ी सुविधाएं गांवों में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्य राशन, आयुष्मान कार्ड और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं में सहायता उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद मिलने पर वार्ड नंबर 11 सालारपुर कलां को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं के क्षेत्र में एक आदर्श क्षेत्र बनाया जाएगा।

पत्रकार जफर जैदी की स्मृति में गोष्ठी आयोजित पत्रकारिता के मूल्यों को किया गया याद

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। हिंदी पत्रकारिता दिवस 30 मई की पूर्व संध्या पर नगर के वरिष्ठ एवं दिवंगत पत्रकार जफर जैदी की स्मृति में एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। कोतवाली मार्ग स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के पत्रकारों, साहित्यकारों एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लेकर स्वर्गीय जफर जैदी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक हाजी तस्लीम अहमद ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यह समाज की वह आंख और कान है, जो लोगों को सच्चाइयों से रूबरू कराती है। उन्होंने कहा कि एक सच्चे पत्रकार का कार्य केवल समाचार देना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज़ को शासन और प्रशासन तक पहुंचाना भी होता है। जब लोकतंत्र के अन्य तीन स्तंभ—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका—अपने पथ से विचलित होते हैं, तब पत्रकारिता ही अपनी निर्भीक आवाज़ से उन्हें सही राह दिखाती है। उन्होंने स्वर्गीय जफर जैदी के पत्रकारिता एवं साहित्य के क्षेत्र में योगदान को भी याद किया। मुख्य अतिथि धामपुर की पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लीना सिंघल ने कहा कि निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसे हर कोई नहीं कर सकता। उन्होंने स्वर्गीय जफर जैदी के पत्रकारिता के प्रति समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद नजीबाबाद के अध्यक्ष इंजीनियर मौजम खान ने पत्रकारों के लिए नगर पालिका परिषद में स्थान उपलब्ध कराने तथा स्वर्गीय जफर जैदी की स्मृति में बस स्टैंड के पास स्थित स्टेडियम में स्मृति शिला लगाए जाने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा पर उपस्थित पत्रकारों ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में फरहा नाज़, अवधेश शर्मा, इरफान अंसारी, जकी मलिक, मनोज शर्मा, नौशाद मुल्तानी, गुलजार कुरैशी, नईम सिद्दीकी, हाशिम अहमद, विपिन ठाकुर, राजपाल सिंह चौहान, धर्मवीर सिंह चौहान, आफताब नोमानी, शहजाद नोमानी, शादाब जफर, जितेंद्र जैन, शेर खान, साकिर कुरैशी, विनोद मित्तल, आफताब राज, खिजर अहमद, जाहिद प्रधान, नईम मकरानी, नफीस अहमद खान, रफीक अंसारी, संजय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, 500 ग्राम स्मैक, 65,200 रुपये नकद के साथ एक अरेस्ट

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भगवानपुर थाना क्षेत्र में एक बड़े तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 500.4 ग्राम हेरोइन (स्मैक) और 65,200 रुपये नकद के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। भगवानपुर थाना पुलिस को 24 मई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि विक्रम कुमार अपने दो साथियों के साथ अपने जीजा शंकर राय के घर हेरोइन लेकर आया है। इस सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2, लालगंज के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शंकर राय के बहलोलपुर स्थित घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान, पुलिस ने शंकर राय के घर से 500.4 ग्राम हेरोइन (जिसकी वाणिज्यिक मात्रा है) और 65,200 रुपये नकद जब्त किए। मौके से शंकर राय को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी शंकर राय ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह अपने साले विक्रम कुमार और दो अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करता था और मुनाफे को आपस में बांट लेता था। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है। वैशाली पुलिस ने इस बड़ी खेप को तस्करी से पहले ही जब्त कर लिया। इस संबंध में भगवानपुर थाना में कांड संख्या 196/26 दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस फरार चल रहे विक्रम कुमार और उसके अन्य दो साथियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

सोनपुर मंडल ने पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया, विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष गतिविधियां आयोजित

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल ने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विशेष गतिविधियों का आयोजन किया। इस अभियान के तहत मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्थापित प्लास्टिक बोतल क्रशर मशीनों के रखरखाव, कार्यप्रणाली और उपयोगिता की विस्तृत समीक्षा की गई। इसका उद्देश्य प्लास्टिक कचरे का प्रभावी और वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित करना था। इसके साथ ही, रेलवे स्टेशनों पर संचालित वेंडर स्टॉल्स की सघन निगरानी के लिए विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया गया। संबंधित वेंडरों को पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए जागरूक और प्रेरित भी किया गया। सोनपुर मंडल द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखना, प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना तथा यात्रियों एवं आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। मंडल प्रशासन ने सभी रेल कर्मचारियों, यात्रियों और आम नागरिकों से प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। पूर्व मध्य रेलवे का सोनपुर मंडल पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार मजबूत कर रहा है, ताकि हरित भविष्य की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकें।

राजद के पूर्व विधायक मुकेश रौशन बोले- लाल या हरे रंग के गमछे पर नहीं होनी चाहिए चर्चा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के महुआ से पूर्व विधायक मुकेश रौशन ने वैशाली के भगवानपुर में एक निजी कार्यक्रम के दौरान एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि नेता और मंत्री अभी 'हनीमून पीरियड' में हैं और वे गधे पर भी चढ़ सकते हैं। मुकेश रौशन ने यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील के संदर्भ में की। उनके अनुसार, वर्तमान में नेता और मंत्री एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहां वे किसी भी हद तक जा सकते हैं, यहां तक कि गधे की सवारी भी कर सकते हैं। अपने बयान में, मुकेश रौशन ने एक और तुलना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लाल कपड़ा देखकर सांड भड़कता है, ठीक उसी तरह हरा कपड़ा देखकर भाजपाई भड़कते हैं। यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। मुकेश रौशन ने बिहार की नई सरकार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्री अभी 'हनीमून पीरियड' में हैं। उन्होंने जोर दिया कि यदि वे इस अवधि से बाहर आ गए हैं, तो उन्हें बिहार के शिक्षित बेरोजगार युवाओं की चिंता करनी चाहिए। रौशन ने कहा कि चर्चा लाल या हरे रंग के गमछे पर नहीं होनी चाहिए, बल्कि महंगाई और बेरोजगारी को दूर करने पर होनी चाहिए। उन्होंने बेरोजगारी को 'सबसे बड़ा दल' बताया और सरकार से महंगाई के इस दौर में बेरोजगारों को रोजगार दिलाने पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की।

झाड़ी में मिला युवक का शव, घर से चाय पीकर निकला था, मौके से शर्ट-मोबाइल बरामद

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में संदिग्ध हालत में एक युवक की मौत हो गई। घर से 300 मीटर की दूरी पर बांस की झाड़ी में शव मिला है। मृतक की पहचान रमाशंकर मिश्रा के पुत्र गुलशन कुमार(25) के रूप में हुई है। घटना मनियारी थाना क्षेत्र के सिलौथ वासुदेव गांव की है। ग्रामीणों के अनुसार, रविवार सुबह कुछ बच्चे सूखी पत्तियां चुनने के लिए बगीचे की तरफ गए थे। इसी दौरान उनकी नजर बांस की झाड़ी में अचेत पड़े गुलशन पर पड़ी। इस हालत में देखकर बच्चे डर गए और चीखने-चिल्लाने लगे। बच्चों की आवाज सुनकर आसपास खेत में काम कर रहे परिजन मौके पर पहुंचे। पिता रमाशंकर मिश्रा ने बताया कि गुलशन बेंगलुरु की एक निजी कंपनी में काम करता था। करीब एक महीने पहले ही घर आया था। रविवार सुबह करीब 8 बजे चाय पीकर घर से टहलने के लिए निकला था। वो मोबाइल पर किसे से बात कर रहा था। ढाई घंटे बाद उसकी मौत की सूचना मिली। गुलशन जब घर से निकला था, तब उसने शर्ट और पैंट पहन रखी थी। लेकिन जहां उसकी लाश मिली, वहां उसका शर्ट शरीर से उतरा हुआ था। बगल में ही मोबाइल पड़ा था। ग्रामीण और परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। जानकारी मिलते ही मनियारी पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत शव को अपने कब्जे में लिया। साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम को बुलाया। पुलिस ने मौके से मृतक का मोबाइल और उसका शर्ट जब्त कर लिया है। डीएसपी पश्चिमी-2 अनिमेश चंद्र ज्ञानी ने बताया कि मनियारी क्षेत्र में एक युवक का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला संदिग्ध है, इसलिए पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों ही पहलुओं को ध्यान में रखकर गहराई से जांच-पड़ताल कर रही है। कॉल डिटेल्स भी खंगाली जा रही है। परिजनों की ओर से जो भी लिखित शिकायत दर्ज कराई जाएगी, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ज्वेलर्स से 3 लाख की लूट, दुकान से घर लौट रहे थे, रास्ते में हथियार के बल पर बाइक सवार अपराधियों ने रोका

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में ज्वेलर्स से 3 लाख की लूट हुई है। हथियारबंद अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। पीड़ित की पहचान धीरज कुमार के रूप में हुई है, जो शेरुकाही चौक स्थित 'पारसनाथ ज्वेलर्स' के मालिक हैं। घटना पानापुर करियात थाना क्षेत्र की है। धीरज ने बताया कि शनिवार देर रात दुकान बंद कर हरिदासपुर स्कूल रोड से अपने घर मनपुरा जा रहे थे। रास्ते में पहले से घात लगाए अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें रोका। हथियार दिखाकर डराया और उनके पास मौजूद सोने-चांदी के आभूषणों से भरा बैग छीन लिया। इसके बाद गन दिखाते हुए फरार हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पीड़ित व्यवसायी से घटना की जानकारी ली। अपराधियों की धरपकड़ के लिए नाकेबंदी शुरू कर दी गई है। अपराधियों का सुराग लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने बताया कि पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है। अपराधियों की पहचान के लिए तकनीकी सेल की मदद भी ली जा रही है।

नई गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन पर 1 प्रतिशत सेस लगेगा

लोकतंत्र की शान, पटना

- डिप्टी सीएम ने कहा- अतिरिक्त राशि क्लाइमेट फंड में जमा होगी, पर्यावरण संरक्षण में इस्तेमाल होंगे रुपए

डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने रविवार को जदयू ऑफिस में पीसी की। उन्होंने पेट्रोल-डीजल की कीमत, बिहार में बढ़ते तापमान, पर्यावरण संरक्षण और कानून व्यवस्था को लेकर बयान दिया। विजय कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार एनवायरनमेंट फंड यानी क्लाइमेट फंड बनाया जाएगा। राज्य सरकार के सभी विभागों में 0.25 प्रतिशत सेस लगाया जाएगा। इसके अलावा नई गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन पर भी 1 प्रतिशत सेस लिया जाएगा। यह राशि क्लाइमेट फंड में जमा होगी और इसका इस्तेमाल पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए किया जाएगा। इसके अवाला कहा कि पेट्रोल-डीजल की खपत कम करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोगों से इसकी खपत कम करने की अपील कर चुके हैं। कई देशों की तुलना में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें नियंत्रित हैं।

क्या होता है सेस: जब कोई व्यक्ति बिहार में नई गाड़ी खरीदेगा और उसका रजिस्ट्रेशन करवाएगा, तब सरकार उससे रजिस्ट्रेशन फीस के अलावा अतिरिक्त पैसे भी लेगी। इसी अतिरिक्त पैसे को "सेस" कहा जाता है। डिप्टी सीएम के मुताबिक नई गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन पर 1 प्रतिशत सेस लगाया जाएगा। यानी अगर किसी गाड़ी का रजिस्ट्रेशन अमाउंट 10 लाख रुपए है, तो उसके ऊपर 10 हजार रुपए अतिरिक्त देने पड़ सकते हैं। सरकार का कहना है कि यह पैसा सीधे "क्लाइमेट फंड" में जाएगा।

बिहार में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है: डिप्टी सीएम ने कहा कि पटना का तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। दिन के समय ऐसी गर्म हवा चल रही है जैसे आग बरस रही हो। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के एक जिले में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। ऐसे में बिहार के लोगों को अभी से सतर्क होने की जरूरत है। विजय कुमार चौधरी ने कहा कि अगर जलवायु परिवर्तन को लेकर अभी से गंभीर कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में बिहार में भी हालात और खराब हो सकते हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2019 में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार थे। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जल-जीवन-हरियाली अभियान की शुरुआत की थी। उस समय मैं विधानसभा अध्यक्ष था और मैंने खुद इस अभियान को गंभीरता से देखा था। अब इस योजना का असर दिखाई दे रहा है। बिहार में भूजल स्तर में सुधार देखने को मिल रहा है और धरती के नीचे पानी की मात्रा बढ़ी है। डिप्टी सीएम ने बिहार के लोगों और उद्योगपतियों से पर्यावरण बचाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी कहते थे कि पृथ्वी का उतना ही उपयोग करना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संसाधन बचे रहें।

जनगणना 2027: एचएलबी प्रगति में सहरसा जिला अव्वल, पूरे बिहार में पहला स्थान

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में एचएलबी (हाउस लिस्टिंग एवं बिल्डिंग) प्रगति रिपोर्ट में सहरसा जिले ने पूरे बिहार में प्रथम स्थान हासिल कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। जिले ने 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहरसा जिले में कुल 3603 एचएलबी कार्य निर्धारित थे, जिनमें से सभी 3603 कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं। इस प्रकार जिले ने 100.00 प्रतिशत पूर्णता दर हासिल कर राज्य में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि का श्रेय जिले के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों एवं गणनाकर्मियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और टीम वर्क को दिया जा रहा है। सभी के संयुक्त प्रयासों से यह सफलता संभव हो पाई है। जिला प्रशासन की ओर से इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी संबंधित कर्मियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं। साथ ही माननीय जिला पदाधिकारी के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रेरणा को भी इस सफलता का प्रमुख आधार बताया गया है। इसके अतिरिक्त, कोसींग (KOSANG) के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के सहयोग, समन्वय और अथक प्रयासों की भी सराहना की गई है। सहरसा जिला ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि एकजुटता, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। "हमेशा अव्वल, हमेशा सफल" के संकल्प के साथ जिला आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहेगा।

सहरसा में एलपीजी गैस आपूर्ति की स्थिति सामान्य, लंबित वितरण शीघ्र पूरा करने के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसा। जिला जनसंपर्क कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। विभिन्न गैस कंपनियों के अंतर्गत कार्यरत एजेंसियों द्वारा नियमित रूप से गैस वितरण किया जा रहा है, हालांकि लंबित वितरण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, भारत गैस के अंतर्गत 22 मई 2026 को कुल 300 गैस सिलेंडर वितरित किए गए। वर्तमान में 14.2 किलोग्राम के 1850 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। बैकलॉग दिनों की संख्या 3.7 है, जबकि औसत बिक्री 1276 सिलेंडर दर्ज की गई है। वहीं एचपी गैस के अंतर्गत 22 मई को 908 सिलेंडर वितरित किए गए हैं। वर्तमान में 3581 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। इस श्रेणी में भी बैकलॉग 3.7 दिन है तथा औसत बिक्री 1611 सिलेंडर रही है। इसी प्रकार इंडेन गैस के अंतर्गत 22 मई को 2259 सिलेंडरों का वितरण किया गया। वर्तमान में 3328 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। बैकलॉग लगभग 3.7 दिन है और औसत बिक्री 2272 सिलेंडर दर्ज की गई है। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि लंबित गैस वितरण कार्य को यथाशीघ्र पूरा किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पटना के होटल में पिता के सामने बेटी से छेड़खानी

लोकतंत्र की शान, पटना

- पीड़िता बोली- आधी रात में स्टाफ ने कमरे में आकर हाथ पकड़ा, दूसरे कमरे में शराब पीते पकड़े गए कपल्स

पटना के होटल में युवती के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित युवती अपने पिता के साथ होटल में रुकी थी। इसी दौरान शनिवार की आधी रात होटल स्टाफ कमरे में घुसा और युवती को हाथ पकड़कर खींचने लगा। पिता की नींद खुली तो स्टाफ भाग गया। पीड़िता के पिता ने बताया कि घटना के बाद बगल में रहे रहे भजीते को मामले की सूचना दी। वो मौके पर पहुंचकर रुपसपुर थाने को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने होटल के कमरों की तलाशी की। इस दौरान 4 लड़कियां और 4 लड़के शराब पीते मिलें, जिन्हें पकड़कर पुलिस थाने ले गई। बेगूसराय की युवती अपने पिता के साथ पॉलिटेक्निक की परीक्षा देने पटना आई थी। एग्जाम देने के बाद वो रात 11 कालिकेट हिडेन विला होटल में कमरा लेकर रुकी।

पीड़िता के पिता ने बताया कि 1000 रुपए में कमरा बुक किया। कमरा नंबर-103 में हम दोनों ठहरे थे। मैं सो गया था। बेटी जगी हुई थी। कमरा अंदर से लॉक नहीं था। इसी बीच रात 12:48 बजे नशे में धुत्त होटल स्टाफ सत्येंद्र कुमार कमरे में घुसा।

मेरी नींद खुली तो देखा कि उसने मेरी बेटी का हाथ पकड़ा है। मैंने उसे बोला क्या बात है, कौन हो तुम, कमरे में कैसे आ गए। इसपर उसने कहा कि बेल बजा रहे थे तो क्यों नहीं उठे आप। वो लड़की के बारे में पूछताछ करने लगा। मैंने जवाब में कहा- लड़की को लेकर कोई डाउट था तो कमरा बुक करते समय आधार कार्ड वेरिफाई कर लेते।

शराब पीते 4 लड़के- 4 लड़कियां मिलें: पीड़िता के पिता ने बताया कि घटना की सूचना भतीजे को दी। वो तुरंत होटल पहुंचा। भतीजे ने होटल के काउंटर पर पूछा- कमरे में कौन घुसा था। काउंटर पर बैठे स्टाफ ने कहा कि मालिक का ड्राइवर है। इसके बाद घटना की सूचना डायल-112 को फोन किया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और होटल के सभी कमरों की जांच की। जांच-पड़ताल के दौरान 4 लड़कियां और 4 लड़के शराब पीते मिले। पुलिस के पहुंचते ही होटल मैनेजर फरार हो गया। पुलिस लड़कियों और लड़कों को थाने ले गई।

लड़के-लड़कियों से हो रही पूछताछ: पुलिस ने होटल के कमरों की जांच की तो कमरों में सामान बिखरे थे। टेबल पर खाने-पीने की चीजें रखी हुई थी। इसके अलावा कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिले। पुलिस ने बताया कि पड़के गए लड़के-लड़कियों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने कहा कि एक लड़की पॉलिटेक्निक का एग्जान देने अपने पिता के साथ आई थी। वो होटल में ठहरे थे। रात में एक व्यक्ति कमरे में घुसा और लड़की के साथ छेड़खानी की। इसको लेकर रुपसपुर थाने में FIR दर्ज की गई है। छेड़खानी करने वाला आरोपी सत्येंद्र (31) को गिरफ्तार किया गया है।

पटना में गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड पर चाकू से हमला

लोकतंत्र की शान, पटना

- मोबाइल छिनने का विरोध करने पर बदमाश ने हाथ-पेट में घोंपा, तमाशा देखते रहे लोग

पटना में मोबाइल छिनने का विरोध करने पर एक कपल पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। पीड़ित नाबालिग के हाथ में चाकू लगा है। पेट में भी खरोंचे लगी है। घटना 13 मई की शाम 5 बजे सिपारा पुल के पास की है, लेकिन इस घटना का वीडियो शनिवार को सामने आया है। आरोपी की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। घटना के 11 दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बेउर थाना प्रभारी अफसर हुसैन ने बताया कि इस मामले में एक युवक के खिलाफ नामजद FIR दर्ज की गई है। उसकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

पूरा मामला: पटना के सिपारा पुल इलाके में 13 मई की शाम नाबालिग और उसकी गर्लफ्रेंड एक दुकान पर मोमोज खा रहे थे। इसी दौरान सौरभ नामक युवक आया और मोबाइल छीनने की कोशिश की। नाबालिग और उसकी गर्लफ्रेंड ने आरोपी सौरभ का विरोध किया तो सौरभ ने चाकू से नाबालिग पर हमला करना शुरू कर दिया। इस हमले में हाथ और पेंट में चाकू लगने से नाबालिग घायल हो गया। घायल नाबालिग को स्थानीय लोगों की मदद से पास के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। नाबालिग के अनुसार, हमला करने वाला युवक जक्कनपुर का रहने वाला है। नाबालिग ने मामले को लेकर जक्कनपुर थाना में अपना बयान दर्ज कराया है।

वायरल वीडियो में क्या है?: वायरल वीडियो सिपारा ओवर ब्रिज के नजदीक ऑटो स्टैंड के पास का बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है सड़क पर खुलेआम एक युवक हाथ में चाकू लेकर लड़का-लड़की पर ताबड़तोड़ वार कर रहा है। वहीं पीड़ित खुद का बचाने की कोशिश करने के साथ साथ बदमाश से चाकू छिनने का प्रयास कर रहा है। इस दौरान उसकी गर्लफ्रेंड भी बदमाश को हमला करने से रोकने की कोशिश करती दिखाई दे रही है। इस दौरान आसपास बड़ी संख्या में लोग मौजूद है। सभी लोग मारपीट देख रहे हैं, लेकिन किसी ने बीच-बचाव नहीं किया।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस: बेउर थाना प्रभारी अफसर हुसैन ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले का खुलासा हो पाएगा।

14 साल का रिकॉर्ड टूटा डेहरी का पारा 45.1 डिग्री

लोकतंत्र की शान, पटना

- खगड़िया-बेतिया में तापमान 40 डिग्री पार, 4 जिलों में हीट वेव, 5 में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने आज 4 जिलों में हीट वेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 5 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। यहां गरज के साथ बिजली भी गिर सकती है। करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। रविवार की दोपहर में खगड़िया और बेतिया का अधिकमत तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार हो गया। लोग भीषण गर्मी से बेहाल हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले 5 दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहेंगे। इस दौरान आंधी-बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है।

बिहार में इस बार मई की गर्मी ने नया इतिहार लिख दिया है। शनिवार को रोहतास के डेहरी 45.1 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा है। ये केवल इस साल का ही नहीं बल्कि 14 साल में मई महीने में सबसे अधिक तापमान है। इससे पहले 22 मई को बिहार का अधिकतम तामपान 44.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। बढ़ती गर्मी की वजह से खगड़िया में स्कूलों की टाइमिंग बदल गई है। अब सभी स्कूल 11 बजे तक संचालित होंगे।

पटना जू में दिखेगा दो सिंग वाला सफेद गैंडा, सिंगापुर से पहुंचेगा पटना

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जू में जल्द ही लोगों को नए जानवर देखने को मिलेंगे। दिल्ली और रोहतक जू के बाद अब सिंगापुर से भी जानवर मंगवाने की तैयारी है। पटना जू में दो सिंग वाले सफेद गैंडों का जोड़ा देखने को मिलेगा। इसके बदले में पटना जू से एक सिंग वाले गैंडे का एक जोड़ा सिंगापुर जाएगा। इसके लिए सिंगापुर जू से पटना जू और वन एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारी बातचीत कर रहें हैं। एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जानवरों की अदला-बदली होगी।

पानी के जहाज से आएगा गैंडा: ये दो सिंग वाला गैंडा पानी के जहाज से आएगा। सिंगापुर भारत से जलमार्ग कनेक्टिविटी से भी जुड़ा हुआ है। वहां से समुंद्र मार्ग से ही कोलकाता बंदरगाह तक गैंडा को लाने और वहां से ट्रक पर लादकर सड़क मार्ग से पटना जू लाने की योजना बनाई जा रही है। हवाई मार्ग की बजाय समुंद्र मार्ग के विकल्प को इसलिए तव्ज्जो दी जा रही है, क्योंकि इससे गैंडा को पटना जू लाने या यहां से गैंडा को सिंगापुर जू ले जाने का खर्च बहुत कम हो जाएगा।

वर्तमान में पटना जू गैंडों की संख्या के मामले में एशिया में पहले स्थान पर है। वहीं, दुनिया में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। पटना जू में इस समय 10 गैंडे हैं, जिनमें छह मादा और चार नर गैंडा शामिल हैं। सभी गैंडे व्यस्क हैं और सबसे छोटे गैंडे की उम्र पांच वर्ष है। पहले स्थान पर अमेरिका के कैलीफार्निया का सेंट डिएगो जू सफारी है।

बिहार एआई समिट: साइबर सुरक्षा-स्मार्ट गवर्नेंस पर हुई चर्चा, विशेषज्ञों ने दिखाया विजन

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में पहली बार आयोजित हो रहे 'बिहार एआई समिट 2026' के दूसरे और अंतिम दिन आज युवाओं, स्टार्टअप्स और तकनीकी विशेषज्ञों का उत्साह देखने को मिला। पहले दिन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा बिहार के लिए जल्द ही 'एआई पॉलिसी' लाने की घोषणा के बाद, आज दूसरे दिन का पूरा सत्र इसके क्रियान्वयन और भविष्य के रोडमैप पर केंद्रित रहा। आज 'लेट्स इंस्पायर बिहार' के संस्थापक विकास वैभव (IPS) ने गया जी से वर्चुअली जुड़कर समिट को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए 'बिहार @ 2047 विज़न डॉक्यूमेंट' में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक प्रमुख टूल माना गया है। इसके जरिए राज्य विकास की दौड़ में लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है।

आज के तकनीकी सत्रों में एआई के जन बिंदुओं पर हुई चर्चा: साइबर सुरक्षा: बढ़ते डिजिटल फ्रॉड से निपटने और सुरक्षित डेटा प्रबंधन के लिए एआई टूल्स के इस्तेमाल पर चर्चा हुई।

स्मार्ट गवर्नेंस: सरकारी सेवाओं की डिलीवरी को बेहतर बनाने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने के तरीकों पर विशेषज्ञों ने अपने फ्रेमवर्क साझा किए।

हेल्थकेयर और शिक्षा: बिहार के ग्रामीण इलाकों तक एआई-संचालित स्वास्थ्य सेवाएं और छात्रों के लिए व्यक्तिगत शिक्षण (Personalized Learning) मॉडल्स को जमीन पर उतारने का खाका तैयार हुआ।

नितेश मिश्रा ने कार्यक्रम को किया संबोधित: मंत्री नीतीश मिश्रा ने समिट के दौरान देश-विदेश में रह रहे बिहार मूल के प्रवासियों, उद्यमियों और प्रोफेशनल्स से अपनी मातृभूमि की ओर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिहार अब सिर्फ कार्यबल देने वाला राज्य नहीं रहेगा, बल्कि इनोवेशन और टेक्नोलॉजी लीडर बनकर उभरेगा। कार्यक्रम में शामिल हुए स्थानीय छात्रों और डेवलपर्स ने कहा कि इस समिट से उन्हें नई तकनीकों को करीब से जानने और समझने का एक शानदार एक्सपोजर मिला है, जो उनके रोजगार और स्टार्टअप के सपनों को नई उड़ान देगा। साथ ही जो विभिन्न स्टार्टअप्स आई है, उनसे भी बात करके बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

उप्र. मदरसा बोर्ड रिजल्ट में बेटियों का दबदबा, 29 हजार से ज्यादा छात्राएं पास

लोकतंत्र की शान , लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आयोजित मदरसा शिक्षा परिषद के वर्ष 2026 की परीक्षा में बेटियों ने बाजी मारी है। इस वर्ष 29 हजार से अधिक छात्राएं पास हुई है। जिनका सफलता प्रतिशत 94.30 प्रतिशत रहा है। छात्राओं ने टॉप रैंकिंग में भी अपना दबदबा कायम किया है। यह उपलब्धि केवल छात्राओं की मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों और पारदर्शी व्यवस्था का भी सकारात्मक असर है।

29 हजार से अधिक छात्राएं हुई पास–उप्र. मदरसा शिक्षा परिषद लखनऊ द्वारा वर्ष 2026 की मुंशी/मौलवी (सेकेंडरी) और आलिम (सीनियर सेकेंडरी) परीक्षा में कुल 55,788 छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं, जिनमें 29,229 छात्राएं शामिल हैं। छात्राओं का कुल सफलता प्रतिशत 94.30 रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में बेटियों को बेहतर शैक्षिक माहौल और अवसर मिल रहे हैं। सेकेंडरी (मुंशी/मौलवी) परीक्षा में 21,407 छात्राएं पास हुईं है। जिनका सफलता प्रतिशत 91.46 रहा है। वहीं सीनियर सेकेंडरी (आलिम) परीक्षा में 7,822 छात्राओं ने सफलता हासिल की, जिसका सफलता प्रतिशत 90.88 दर्ज किया गया है।

यमुनानगर:बिजली संकट पर फूटा ग्रामीणों का आक्रोश, आधी रात को पावर हाउस का घेराव

लोकतंत्र की शान , यमुनानगर। भीषण गर्मी के बीच लगातार हो रही बिजली कटौती से नाराज ग्रामीणों ने शनिवार देर रात यमुनानगर के व्यासपुर स्थित बिजली पावर हाउस के बाहर प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पावर हाउस का घेराव कर बिजली निगम के खिलाफ नारेबाजी की और आपूर्ति व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग उठाई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया।ग्रामीणों के अनुसार कपरी, मारवा तथा आसपास के गांवों में पिछले कई दिनों से अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। देर रात विभिन्न गांवों के लोग व्यासपुर पावर हाउस पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। इसी प्रकार मिर्जापुर क्षेत्र में भी ग्रामीणों ने बिजली कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि पहले सीमित समय के लिए कट लगाए जाते थे, लेकिन पिछले एक सप्ताह से स्थिति अधिक खराब हो गई है। दिनभर काम के बाद रात में भी बार-बार बिजली बाधित होने से लोगों की नींद और दिनचर्या प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने कहा कि तेज गर्मी में छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को सबसे अधिक दिक्कत उठानी पड़ रही है। कई परिवारों के पास वैकल्पिक बिजली व्यवस्था नहीं है, जिसके चलते लोगों को पूरी रात जागकर बितानी पड़ रही है। धरने की सूचना मिलने पर बिजली निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की। अधिकारियों ने उच्च स्तर पर समस्या उठाने तथा अनावश्यक बिजली कटौती नहीं होने देने का आश्वासन दिया। निगम के एक्सईएन द्वारा आपूर्ति व्यवस्था में सुधार का भरोसा दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द हालात नहीं सुधरे तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

अमृतसर में गोली लगने से तीन साल के बच्चे की मौत, दादी घायल

लोकतंत्र की शान , चंडीगढ़। पंजाब के अमृतसर स्थित छेहरटा क्षेत्र में शनिवार देर रात हुए हादसे में गोली लगने से एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसकी दादी घायल हो गई। पुलिस के अनुसार छेहरटा क्षेत्र निवासी साजन बच्चों को स्कूल में पीटीएम के लिए गया था। उसके पास लाइसेंसी पिस्तौल भी थी। घर लौटने के बाद उसने कपड़े बदलते समय लोडेड पिस्तौल बेड पर रख दी। इसी दौरान खेलते-खेलते तीन साल के मासूम वंश ने पिस्तौल उठा ली और अचानक ट्रिगर दब गया। गोली बच्चे के आर-पार निकल गई और पास खड़ी उसकी दादी को भी जा लगी। परिजन तुरंत बच्चे और घायल महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने वंश को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि वंश जुड़वा भाई था और उसकी अचानक मौत से परिवार पूरी तरह टूट चुका है। सूचना मिलने पर पंजाब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। थाना छेहरटा के एसएचओ बलविंदर सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला लापरवाही के कारण हुई दुर्घटना का लग रहा है। पुलिस के मुताबिक पिस्तौल अनलॉक हालत में थी, जिसके कारण बच्चा आसानी से उसे उठा सका।

कपूरथला जेल में भिड़े कैदी, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर स्थिति संभाली

- **झगड़े के दौरान जेल में दहशत फैलाने के लिए कई स्थानों पर आग भी लगाई गई**

लोकतंत्र की शान , चंडीगढ़। पंजाब के कपूरथला की केंद्रीय जेल में बैरक बदलने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। शनिवार की देर रात यहां कैदियों के दो गुटों में शुरू हुई झड़प रातभर चलती रही। कुछ घंटे तक कैदियों ने पूरी जेल को अपने कब्जे में रखा और भीतर से वीडियो जारी कर रहे। झगड़े के दौरान जेल में दहशत फैलाने के लिए कई स्थानों पर आग भी लगाई गई। रविवार अल सुबह तक सभी कैदियों को बैरकों में बंद करके स्थिति को नियंत्रित किया गया।जालंधर रेंज के डीआईजी नवीन सिंगला ने कहा कि कपूरथला जेल की बैरक नंबर चार में बीती रात कैदियों के बीच झगड़ा शुरू हुआ। करीब 100 से 150 कैदी अपनी बैरकों से बाहर आ गए। उन्होंने हंगामा किया और बैरक नंबर 4 में आग लगा दी। यह झगड़ा इतना बढ़ा कि कैदियों ने वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों को खदेड़ दिया और एक-दूसरे पर पथराव शुरू कर दिया। कुछ कैदियों ने जेल में पड़े कचरे के ढेरों को आग लगानी शुरू कर दी। कुछ कैदी मशाल लेकर जेल की छत पर चढ़ गए और वीडियो बनाकर वायरल करने लगे। यहां की बैरक नंबर चार को भी आग के हवाले कर दिया गया।

सरकारी जमीन के अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुल्डोजर

- **सरकारी जमीन से हटाया गया अतिक्रमण**
- **चुरहट एसडीएम की मौजूदगी में हुई कार्रवाई**

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के चुरहट क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बुल्डोजर कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जा हटाया। एसडीएम चुरहट विकास कुमार आनंद स्वयं मौके पर पहुंचे और पुलिस बल तथा राजस्व विभाग की टीम की मौजूदगी में सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में प्रशासनिक सख्ती देखने को मिली। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सलैया स्थित शासकीय आराजी खसरा क्रमांक 47, कुल रकबा 0.050 हेक्टेयर में से 0.010 हेक्टेयर भूमि पर राजराखन तिवारी पिता गिरवरधारी तिवारी निवासी सलैया द्वारा बाड़ लगाकर कब्जा कर लिया गया था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पटवारी हल्का सलैया द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसके आधार पर मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण में अतिक्रमणकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। नोटिस के बाद अनावेदक उपस्थित तो हुआ, लेकिन उसने कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया। वहीं प्रकरण में संलग्न पटवारी प्रतिवेदन और अन्य दस्तावेजों के परीक्षण के बाद यह प्रमाणित हुआ कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। इसके बाद एसडीएम विकास कुमार आनंद ने आदेश जारी करते हुए अतिक्रमणकारी पर 1000 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया और सरकारी भूमि से बेदखल करने के निर्देश दिए। आदेश के पालन में प्रशासनिक अमला तुरंत हरकत में आया। एसडीएम स्वयं पुलिस बल, राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं अन्य कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कराई। कार्रवाई के दौरान सरकारी भूमि पर की गई बाड़ को हटाया गया और जमीन को पुनः शासन के कब्जे में लिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हडक्रंप की स्थिति रही। स्थानीय लोगों ने भी सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई को सराहा। इनका कहना है। शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विकास कुमार आनंद, एसडीएम चुरहट।

जगमोहन दास, जयप्रकाश एवं महात्मा गांधी वार्ड में वार्ड कांग्रेस कमेटियों का गठन, संगठन को मिली नई मजबूती

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : कांग्रेस संगठन को वार्ड स्तर पर और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से आज जगमोहन दास वार्ड, जयप्रकाश वार्ड एवं महात्मा गांधी वार्ड में वार्ड कांग्रेस कमेटियों का गठन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने संगठन विस्तार, जनसंपर्क एवं जनहित के मुद्दों पर चर्चा करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला जी ने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। वार्ड स्तर पर मजबूत संगठन ही जनता की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाकर उनके समाधान का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। पूर्व अध्यक्ष प्रियदर्शन गौर जी ने कहा कि कांग्रेस सदैव आमजन के अधिकारों और जनहित के मुद्दों के लिए संघर्ष करती रही है। वार्ड कांग्रेस कमेटियों का गठन संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्रदान करेगा तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाएगा।

दुअरा खदान में प्रशासन का बड़ा एक्शन

- **संदिग्ध ब्लास्टिंग और विस्फोटक गड़बड़ी पर छापा, खदान संचालन तत्काल बंद**

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के बहरी तहसील अंतर्गत ग्राम दुअरा स्थित पत्थर खदान में अनियमितताओं और संदिग्ध विस्फोटक उपयोग की शिकायत पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए संयुक्त छापामार अभियान चलाया। कलेक्टर विकास मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देश पर प्रशासनिक और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें सुरक्षा नियमों की गंभीर अनदेखी सामने आई। जांच के दौरान खदान क्षेत्र में सीमा चिन्ह, तार फेंसिंग और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम नहीं पाए गए। प्रशासन ने इसे जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानते हुए तत्काल प्रभाव से खदान में उत्खनन और ब्लास्टिंग गतिविधियों पर रोक लगा दी। कार्रवाई के दौरान विस्फोटक कार्य में प्रयुक्त वाहन क्रमांक MP17G-3415 भी मौके पर मिला। वाहन में मौजूद लोगों से विस्फोटक सामग्री के परिवहन और उपयोग संबंधी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा सके। मामला तब और गंभीर हो गया जब व्हाट्सएप पर दिखाए गए "प्रपत्र RE-13" में विस्फोटक उपयोग का स्थान ग्राम बारी, तहसील गोपद बनास दर्ज था, जबकि सामग्री ग्राम दुअरा क्षेत्र में पाई गई। प्रशासन ने इसे विस्फोटक सामग्री के परिवहन और उपयोग में गंभीर अनियमितता माना है। प्रशासन ने वाहन को थाना बहरी के सुपुर्द कर विस्फोटक अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनसुरक्षा से खिलवाड़ और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जबलपुर-पुणे एवं जबलपुर-बांद्रा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के नियमित संचालन का शुभारंभ

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल अंतर्गत आज दिनांक 24 मई 2026 को जबलपुर रेलवे स्टेशन पर जबलपुर-पुणे (ट्रेन संख्या 20162/20161) एवं जबलपुर-बांद्रा (ट्रेन संख्या 20164/20163) साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के नियमित संचालन के शुभारंभ अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं रेलवे अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग के माननीय कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह, माननीया राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, माननीय लोकसभा सांसद आशीष दुबे, विधायक पाटन अजय विश्नोई, विधायक कैंट अशोक रोहाणी, विधायक बरगी नीरज सिंह लोधी, विधायक सिहोरा संतोष वरकड़े सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रेलवे प्रशासन की ओर से मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री आनंद कुमार एवं श्री दिनेश कुमार कलामे, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री शशांक गुप्ता सहित अन्य शाखा अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जबलपुर से पुणे एवं बांद्रा के लिए नियमित रेल सेवा प्रारंभ होने से यात्रियों को बेहतर एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध होगा तथा क्षेत्रीय विकास एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। जबलपुर रेल मंडल द्वारा आयोजित इस शुभारंभ समारोह में बड़ी संख्या में नागरिक, रेल उपभोक्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

फिट इंडिया अभियान के तहत नागौर में साइकिल रैली एवं योग कार्यक्रम का आयोजन

- **पुलिस एवं आमजन ने दिया फिट और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश**

लोकतंत्र की शान

नागौर/मेड़ता रोड , एजाज़ अहमद उस्मानी। पुलिस मुख्यालय एवं भारतीय खेल प्राधिकरण (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय), भारत सरकार के फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत रविवार को नागौर में "संडे ऑन साइकिल" अभियान के तहत योग एवं साइकिल रैली का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों एवं आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, नियमित व्यायाम को प्रोत्साहित करना तथा फिट एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के तहत प्रातः 6:30 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय से साइकिल रैली को रवाना किया गया। यह रैली पुलिस अधीक्षक कार्यालय से रिजर्व पुलिस लाइन, नागौर तक आयोजित की गई। रैली को 8 वर्षीय बालिका प्रियंशी धुंधवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। रैली में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी (आर.पी.एस.), महिला अपराध एवं अनुसंधान प्रकोष्ठ नागौर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नूर मोहम्मद, कोतवाली, सदर एवं महिला थाना नागौर के थानाधिकारी, पुलिस लाइन नागौर के निरीक्षक सहित जिला मुख्यालय पर पदस्थापित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसके साथ ही शहर के कई नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर अभियान को जन-जागरूकता का रूप दिया। साइकिल रैली में शामिल प्रतिभागियों ने फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देते हुए आमजन को नियमित साइकिलिंग अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों को यह भी बताया गया कि नियमित व्यायाम और अनुशासित दिनचर्या न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक संतुलन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। रैली के पश्चात पुलिस लाइन नागौर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों को साइकिलिंग एवं योग के स्वास्थ्य लाभों, नशामुक्त जीवनशैली तथा सकारात्मक सोच के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस एवं समाज के बीच बेहतर समन्वय और सकारात्मक संवाद को भी बढ़ावा मिला। नागौर पुलिस ने इस जन-जागरूकता अभियान में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

कसिहवा हादसे के पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हुआ शासन-प्रशासन

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। ग्राम कसिहवा में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में तीन मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत के बाद शासन, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुसार मृत बच्चों के परिजनों को 6-6 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने अपने कार्यक्रम निरस्त कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और सहायता राशि के चेक सौंपे। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी परिवार को सांत्वना देते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। कलेक्टर विकास मिश्रा ने परिवार के पुनर्वास, आवास निर्माण और जीवित बची बच्ची की शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गांव में पेयजल और बिजली सुरक्षा संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए भी प्रशासन ने त्वरित कदम उठाए हैं।

नून्द में अगस्त में सजेगा राजपूती संस्कृति का रंगारंग महाकुंभ

- **तीन दिवसीय 'चांपावत बाईसा स्नेह मिलन समारोह' की तैयारियां शुरू**

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड , एजाज़ अहमद उस्मानी। राजपूत समाज की ओर से आयोजित होने वाला बहुप्रतीक्षित "चांपावत बाईसा स्नेह मिलन समारोह" इस वर्ष 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को नून्द में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। समारोह को लेकर समाज बंधुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। रविवार को आयोजित समाज की बैठक में कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार करते हुए विभिन्न कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में तय किया गया कि यह तीन दिवसीय आयोजन राजपूती परंपरा, संस्कृति, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का अनूठा उदाहरण बनेगा। समारोह में महिलाओं के लिए लाल एवं पीली राजपूती पोशाक का ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है, जबकि पुरुष सफेद कुर्ता-पायजामा के साथ मारवाड़ी शान के प्रतीक केशरिया साफा धारण करेंगे। समारोह के दौरान नून्द गढ़ से चामुण्डा माता मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजे समाज बंधु बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों के साथ शामिल होंगे। चामुण्डा माता के दर्शन के बाद आयोजन स्थल पर परिचय सम्मेलन, पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं राजपूती सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें समाज की गौरवशाली विरासत की झलक देखने को मिलेगी। बैठक में प्रशासक महेंद्र सिंह, पप्पू सिंह, झब्बर सिंह, भानु प्रताप सिंह, तेजपाल सिंह, श्याम प्रताप सिंह, मूल सिंह, धूड़ सिंह, समद्र सिंह, भगवान सिंह, देवी सिंह, मदन सिंह, प्रेम सिंह, सज्जन सिंह, गोपाल सिंह, सरदार सिंह, महावीर सिंह, अमर सिंह, करण सिंह, राजू सिंह, हरि सिंह, किशन सिंह, विजय सिंह, मनोहर सिंह, रणवीर सिंह, गुलाब सिंह, श्रवण सिंह एवं दुर्गा सिंह राठौड़ सहित समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समाज सेवा में सक्रिय युवाओं को मिला सम्मान

- **एडवोकेट तेज सिंह रूवा बने प्रदेश विधि सलाहकार**
- **अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान की युवा कार्यकारिणी का विस्तार, संगठन ने जताया भरोसा**

लोकतंत्र की शान

नागौर/मेड़ता रोड , एजाज़ अहमद उस्मानी। समाज हित एवं संगठनात्मक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाने वाले नागौर जिले के डेगाना निवासी एडवोकेट तेज सिंह रूवा को अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान की प्रदेश युवा कार्यकारिणी में प्रदेश विधि सलाहकार नियुक्त किया गया है। संगठन की ओर से की गई इस नियुक्ति के बाद समाजजनों, युवाओं एवं विभिन्न पदाधिकारियों में हर्ष का माहौल है। समाजबंधुओं ने तेज सिंह को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए इसे पूरे समाज के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। संस्थान के प्रदेश युवा अध्यक्ष ने कार्यकारिणी विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि संगठन समाज में एकता, शिक्षा, सामाजिक जागरूकता एवं युवा नेतृत्व को मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रहा है। इसी क्रम में संगठन के प्रति समर्पण, सामाजिक सरोकारों में सक्रियता तथा विधिक मामलों की बेहतर समझ को देखते हुए एडवोकेट तेज सिंह रूवा को प्रदेश विधि सलाहकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि तेज सिंह लंबे समय से समाज हित से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रूप से कार्य करते आ रहे हैं। युवाओं के बीच उनकी सकारात्मक सोच, मिलनसार व्यक्तित्व एवं सामाजिक भागीदारी के कारण उनकी अलग पहचान बनी हुई है। संगठन को विश्वास है कि उनके अनुभव, कानूनी ज्ञान एवं मार्गदर्शन से समाज संगठन को नई दिशा एवं मजबूती मिलेगी। साथ ही समाज से जुड़े विभिन्न कानूनी विषयों एवं सामाजिक मामलों में भी संगठन को लाभ प्राप्त होगा। नई जिम्मेदारी मिलने पर एडवोकेट तेज सिंह रूवा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व एवं समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह दायित्व सौंपा है, वे उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज हित सर्वोपरि है तथा युवाओं को संगठित कर समाज सेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एडवोकेट तेज सिंह रूवा को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में सात दिन से लापता जापानी पर्वतारोही का शव मिला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तरी गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके में सात दिन से लापता जापान के बुजुर्ग पर्वतारोही का शव मिल गया है। एक स्थानीय पर्वतारोहण क्लब के स्वयंसेवकों के सहयोग से चलाए बचाव अभियान के दौरान जापान के पर्वतारोही का शव खोजने में सफलता मिली। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार 64 वर्षीय योसुके अकिबा गिलगित-बाल्टिस्तान के स्कार्दू जिले में मसरूर रॉक व्यू पॉइंट पर गए थे। यह जगह समुद्र तल से 3,700 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर है। इस स्थान सिंधु नदी और आसपास के पहाड़ों के मनमोहक नजारे दिखाई देते हैं। रेस्क्यू 1122 सेवा के प्रवक्ता गुलाम रसूल ने मीडिया को बताया कि अकिबा का शव चट्टान के पास हुसैनबाद इलाके में एक गहरी दरार में मिला। वह वहां बिना किसी स्थानीय टूरिस्ट गाइड के मदद से गए थे। रसूल ने बताया कि शव को रस्सियों और खास उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया और अब उसे नीचे स्कार्दू लाया जा रहा है। सदपारा पर्वतारोहण क्लब के स्वयंसेवकों ने भी इस अभियान में हिस्सा लिया। क्लब के चेयरमैन गुलाम मुहम्मद सदपारा ने बताया कि क्लब के चार अनुभवी पर्वतारोहियों ने रेस्क्यू 1122 के साथ मिलकर इस अभियान में हिस्सा लिया।

नेपाल-चीन के बीच सीमा सुरक्षा समन्वय पर बैठक में उठा केरूंग क्षेत्र का मुद्दा

काठमांडू। नेपाल और चीन के बीच नियमित सीमा समन्वय बैठक रसुवा जिले के धुन्चे स्थित जिला प्रशासन कार्यालय में रविवार को हुई है। नेपाल की ओर से प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रसुवा के प्रमुख जिला अधिकारी राजेश पन्थी और चीन के अधिकारियों का का नेतृत्व चु जिनशुन ने किया। बैठक में केरूंग क्षेत्र का मुद्दा उठा। अधिकारियों के अनुसार बैठक में सीमा सुरक्षा को मजबूत बनाने, व्यापार सुगम करने, आपसी समन्वय बढ़ाने, सीमा पार अपराध नियंत्रण तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। कहा गया है कि यह बैठक नेपाल और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंध, आपसी विश्वास और सहयोग को और मजबूत करने में उपयोगी रही।

दोनों पक्षों ने हिमालयी सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए व्यापार, यातायात और दैनिक जीवन को आसान बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। नेपाल ने केरूंग क्षेत्र में कार्यरत नेपाली नागरिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया है। दोनों देशों ने सीमा क्षेत्र में अवैध व्यापार और आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए अपनी-अपनी सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय और निगरानी बढ़ाने पर सहमति जताई। रसुवा जिले के बाहर के नेपाली ड्राइवरों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद प्रवेश की अनुमति देने के विषय पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। चीन के अधिकारियों ने संकेत दिया कि पासपोर्ट रखने वाले और अच्छे आचरण रिकॉर्ड वाले ड्राइवरों को चरणबद्ध तरीके से प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। इस कदम का नेपाली परिवहन व्यवसायियों और कारोबारी समुदाय ने स्वागत किया है। अधिकारियों के अनुसार, चीन की पहले की उस नीति में नरमी आने की उम्मीद है, जिसमें केवल रसुवा जिले के ड्राइवरों को प्राथमिकता दी जाती थी। इससे व्यापार और यातायात गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना जताई गई है।

एनएमडीसी ने दक्षिण बस्तर के 17 गांवों में लगाया समर कैंप, 1700 बच्चे लेंगे भाग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में जनजातीय समुदायों के बच्चों के लिए 17 गांवों में समर कैंप शुरू किया है। यह कैंप 20 मई से शुरू किया गया है, जो 15 जून तक चलेगा। केंद्रीय स्पात मंत्रालय के अनुसार इस पहल के तहत करीब 1700 बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अनुभवात्मक शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और खेलों से जोड़ा जाएगा। अधिकांश गांवों में गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं, जबकि बच्चों की संख्या बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। वर्तमान में प्रत्येक गांव में प्रतिदिन 30 से 40 बच्चे कैंप में भाग ले रहे हैं। कैंप में बच्चे प्रतिदिन तीन से चार घंटे तक पठन-पाठन, शिल्पकला और संगीत कार्यशालाओं में हिस्सा ले रहे हैं। इसके बाद फ्रिसबी, कबड्डी और खो-खो जैसे खेल आयोजित किए जा रहे हैं। दिन का समापन पौष्टिक अल्पाहार के साथ किया जा रहा है। एनएमडीसी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रचनात्मक शिक्षा के अवसर सीमित होने के कारण यह पहल बच्चों की प्रतिभा और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगी। कंपनी की ओर से इसे गांवों के समग्र विकास और वंचित समुदायों के बच्चों में सामाजिक एवं आत्मविश्वास से जुड़ी क्षमताओं के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। समर कैंप में बच्चों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आने वाले दिनों में इस पहल का और विस्तार किया जाएगा।

अलीगढ़ : तकनीकी खराबी आने पर विमान को खेत में उतारा, पायलट और प्रशिक्षु छात्र सुरक्षित

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ जिले के धनीपुर हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले एक प्रशिक्षु विमान में अचानक तकनीकी खराबी आने के बाद पायलट ने सूझबूझ से विमान को क खेत में उतार दिया। पायलट और प्रशिक्षु छात्र दोनों सुरक्षित हैं। सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। एडीएम सिटी अतुल गुप्ता ने बताया कि रविवार सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर पायलट ने प्रशिक्षु छात्र के साथ उड़ान भरी थी। विमान तकरीबन एक घंटे तक आसमान में उड़ा फिर अचानक उसमें तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद पायलट ने विमान को थाना हरदुआगंज क्षेत्र के चंगेरी गांव के पास खेत में उतार दिक्षा। उसमें पायलट और प्रशिक्षु छात्र दोनों पूरी तरह सुरक्षित हैं। विमान को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। एडीएम सिटी ने बताया कि ट्रेनी एयरक्राफ्ट (वीटी-पीएफबी) ने धनीपुर हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। आसमान में पहुंचते ही विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। तुरंत उसकी लैंडिंग अलीगढ़ के एक खेत में कराई गई। किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

मप्र के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ के हमले से महिला की मौत, 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा रेंज क्षेत्र में शनिवार की रात एक बाघ ने घर में घुसकर हमला कर दिया, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त कर मृतक के परिजनों को 25 लाख रुपये आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। उमरिया जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा रेंज के ग्राम खेरवा टोला निवासी महिला फूल बाई पाल (48) पत्नी पहलू पाल शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अपने घर में सो रही थी। रात करीब तीन बजे बाघ ने घर में घुसकर महिला पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बाघ के हमले में दशईया पाल समेत चार लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद काफी देर तक महिला का शव घर के अंदर पड़ा रहा और बाघ आसपास ही मौजूद था। ग्रामीणों की सूचना पर रविवार सुबह वन विभाग की टीम गांव पहुंची, जिसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर इंदवार पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से क्षेत्र में बाघ की गतिविधियां बढ़ी हुई हैं, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई है। गुस्साए ग्रामीणों ने पनपथा रेंजर प्रतीक श्रीवास्तव के साथ मारपीट कर दी, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं और सिर पर भी चोट लगी है। किसी तरह उन्हें वहां से बाहर निकाला गया। इसी दौरान महिला रेंजर अंजू वर्मा को भी ग्रामीणों ने घेर लिया और उनके साथ धक्का-मुक्की व मारपीट की गई। बाद में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्थिति को संभालनं की कोशिश की। घटना की जानकारी मिलने पर कांग्रेस नेत्री एवं जनपद सदस्य रोशनी सिंह धुर्वे मौके पर पहुंचीं।

आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी जी जान से जुटें कार्यकर्ता: मायावती

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को यूपी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बसपा की एक बार फिर से सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता कोई कसरन छोड़े और पूरे जी जान से वोट की सुरक्षा करें।

बसपा प्रमख मायावती ने रविवार को यहां 12 माल एवेन्यू स्थित पार्टी मुख्यालय पर सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, कोआर्डिनेटर और जिलाध्यक्षों के साथ एक बैठक की। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि देश में चुनाव जिस प्रकार की नई—नई चुनौतियों के बीच हो रहे हैं, उसको देखते हुए पार्टी की तैयारियों के हर स्तर पर और भी चुस्त—दुरुस्त और मुस्तैद बनाने की जरूरत है। ताकि पार्टी के पक्ष में बढ़ते हुए जन रुझान के फलस्वरूप यूपी में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाने का मिशनरी लक्ष्य सुनिश्चित हो सकें। बसपा प्रमुख ने कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। सन 2007 की तरह पूरी तरह डटकर विरोधियों का सामना करना है और प्रत्याशियों के चयन में सावधानी बरतनी होगी। प्रदेश में बसपा की एक बार फिर से सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए मायावती ने कहा कि पूरी जी जान से वोट की सुरक्षा करना है। मायावती ने कहा कि अभी हाल में ही सम्पन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव जो कुछ हुआ व जिस प्रकार से हुआ उसका संज्ञान लेने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व पंजाब राज्य में अगले वर्ष विधानसभा का चुनाव होना है। पिछले चुनाव से सबक सीखकर आगे बढ़ना होगा, जब खासकर सत्ताधारी पार्टी व सरकारें वादों आदि की खानापूर्ति करने तथा अन्य प्रकारों की अभूतपूर्व तरीके से चुनाव प्रभावित करने में सफल हो जाते हैं। इसके बाद वो लोग जन हितैषी गवरनेंस की बजाय ज्यादातर ध्यान भटकाने वाले कार्यकलापों के कारण फिर जनता अपने आपकों काफी ठगा हुआ महसूस करने लगती है, किंतु उसका क्या लाभ जब चिड़िया चुग गई खेत।

बसपा प्रमुख ने कहा कि पार्टियां चुनाव के समय जनहितैषी और जनकल्याणकारी होने का ढिंढोरा पीटती है और उससे धन लुटाती है। चुनाव खत्म होने के बाद अपने वादों, घोषाणाओं अन्य दावों आदि के प्रति उदासीनता और लापरवाह क्यों हो जाती है। यही कारण है कि इन पार्टियों की छलावापूर्ण एवं विभाजनकारी राजनीति से देश व जनहित का सही से भला नहीं हो पा रहा है। उनका जीवन लगातार लाचार और मजबूर बना हुआ है। मायावती ने कहा कि चुनाव के बाद महंगाई, बेरोजगारी,नये—नये नियम और कानून आदि के जरिए हर प्रकार के तनाव समेत उनके जीवन के जंजाल को और भी बढ़ा दिया जाता है। जिससे आज करोड़ों की जनता को इज्जत और सम्मान के साथ जीना मुश्किल हो गया है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में नक्सली डंप से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

एजेंसी, कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के सीमावर्ती जंगलों में सुरक्षाबलों ने सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों के छिपाए गए हथियारों, उपकरणों और विस्फोटक के खालिफ बड़ी कार्रवाई की है।

यह कार्रवाई आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली खुफिया सूचना के आधार पर की गई। इस दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार, बीजीएल लांचर, विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर, गन पाउडर, नक्सली वर्दियां और नक्सली उपयोग की वस्तुएं बरामद कीं। यह संयुक्त अभियान जिला पुलिस, डीआरजी, बीएसएफ और बीडीएस टीम ने चलाया।

कांकेर एसपी निखिल कुमार राखेचा ने बताया कि आज रविवार को थाना कोयलीबेड़ा क्षेत्र में पहला डंप सीमावर्ती क्षेत्र के पल्लाहूर और जपमरका के जंगलों में मिला। इसमें एक कंट्रीमेड बीजीएल लांचर, 25 बीजीएल सेल, चार इम्प्रोवाइज्ड फायर कार्टिज और एक एके-47 व एक एसएलआर के खाली कार्टिज शामिल थे। पांच किलोग्राम गन पाउडर, 10 बड़े सुतली बम, तीन नक्सली वर्दी, एक सोलर चार्जर, 50 फीट वायर और मेडिकल किट भी बरामद हुई।

थाना छोटेबेठिया क्षेत्र में दूसरी कार्रवाई में सीमावर्ती क्षेत्र के मरकाबेड़ा, आदनार और एलूर के जंगल से तीन 12 बोर राइफल, एक बीजीएल लांचर, छह बीजीएल सेल और 100 ग्राम बारूद बरामद किया। एक पोच, 800 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर और 200 नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर बरामद किया गया है। कांकेर एसपी ने बताया कि यह सफलता को सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि बरामद विस्फोटक सामग्री और हथियारों का उपयोग बड़ी नक्सली घटनाओं में किया जा सकता था।

कंचनगंगा में हिमस्खलन, कोई नुकसान नहीं, प्रशासन ने बढ़ाई निगरानी

एजेंसी, चमोली

उत्तराखंड के चमोली जिले के बदरीनाथ यात्रा के दौरान कंचनगंगा क्षेत्र में हिमस्खलन की घटना सामने आई है। घटना के दौरान आसपास मौजूद यात्रियों और स्थानीय लोगों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि प्रशासन का कहना है कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि अथवा संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ है और स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

चमोली जिलाधिकारी गौरव कुमार ने रविवार को बताया कि हिमस्खलन सड़क तक नहीं पहुंचा और खाई क्षेत्र में ही रुक गया, जिससे यातायात एवं आम जनजीवन प्रभावित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और पर्वतीय क्षेत्रों में समय-समय पर इस प्रकार की घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी है और संबंधित विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। चारधाम यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं और यात्रा व्यवस्थाएं सामान्य रूप से संचालित की जा रही हैं। जिलाधिकारी ने आमजन से सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से फैल रही अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक केवल प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें। जानकारी के अनुसार, बढ़ते तापमान के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ तेजी से पिघल रही है, जिससे हिमखंडों के टूटने और नीचे खिसकने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

ट्विशा शर्मा मौत मामला : दिल्ली एम्स की टीम ने किया दोबारा पोस्टमॉर्टम

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा के शव का रविवार को दिल्ली एम्स की 4 सदस्यीय टीम ने दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भोपाल एम्स में दोबारा पोस्टमॉर्टम करीब 3 घंटे तक चला। इस दौरान भोपाल एम्स में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। एम्स परिसर की मॉर्च्युरी के आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहा। दिल्ली एम्स से आई मेडिकल टीम ने शनिवार को ट्विशा शर्मा के शव का भोपाल एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम किया। करीब तीन घंटे तक चली पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया के बाद शव परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की गई। मॉर्च्युरी में आवश्यक दस्तावेजी और कानूनी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। मौके पर ट्विशा के भाई मेजर हर्षित शर्मा और परिवार के अन्य सदस्य एम्स परिसर में मौजूद हैं। परिजन लगातार पूरी प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए हैं।

भोपाल एम्स में शव सौंपने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ट्विशा शर्मा के शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जाएगा। एम्स मॉर्च्युरी के बाहर शव वाहन आ गया है। ट्विशा का अंतिम संस्कार शाम करीब पांच बजे भोपाल के भदभदा श्मशान घाट में किया जाएगा, जहां परिवार और करीबी लोग मौजूद रहेंगे। विधि-विधान के साथ ट्विशा को अंतिम विदाई दी जाएगी।

पोस्टमॉर्टम के बाद दिल्ली एम्स की टीम सैंपल लेकर हुई रवाना: दिल्ली एम्स की 4 सदस्यीय मेडिकल टीम ने ट्विशा शर्मा के शव का करीब तीन घंटे में दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। इस दौरान कई पहलुओं की बारीकी से जांच की गई। पोस्टमॉर्टम पूरा होने के बाद मेडिकल टीम अपने साथ तीन बॉक्स में साक्ष्य और सैंपल लेकर रवाना हुई है, जिन्हें आगे की जांच और एनालिसिस के लिए सुरक्षित रखा गया है। इधर, ट्विशा शर्मा की अंतिम यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। अर्थी सजाने के लिए फूल लाए गए हैं। परिजन अंतिम संस्कार की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। ट्विशा की अर्थी सजने से पहले उनकी मां रो रही थीं, जिन्हें परिजन संभालते नजर आए। परिवार और करीबी लोग उन्हें ढांढस बंधाने की कोशिश करते रहे।

इंदौर में गहराया जल संकट, पानी के लिए सड़कों पर उतरे लोग, कांग्रेस का चक्काजाम प्रदर्शन

एजेंसी, इंदौर

मध्य प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में पानी का संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। शहर के कई वार्डों की कॉलोनियां और मोहल्ले इन दिनों भीषण जल किल्लत से जूझ रहे हैं। हालात इतने खराब हैं कि टैंकर पहुंचते ही पानी भरने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ रही है। नगर निगम ट्रैक्टर-टैंकरों के जरिए पानी सप्लाई कर रहा है, लेकिन बढ़ती मांग के सामने यह व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। इस बाबत महापौर का कहना है कि वे इस गंभीर स्थिति की जानकारी है और कंट्रोल रूम से हर घर जल पहुंचाने को प्रतिबद्ध हैं।

इस बीच जल संकट से परेशान लोगों ने रविवार को शहर के अलग-अलग हिस्सों में सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं और स्थानीय निवासियों ने पालदा और सुखलिया में चक्काजाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पालदा चौराहे पर कांग्रेस पार्षद कुणाल सोलंकी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में वार्ड-75 और वार्ड-64 के रहवासियों ने चक्काजाम किया। प्रदर्शनकारियों ने नियमित जलापूर्ति, पर्याप्त टैंकर व्यवस्था और नर्मदा लाइन से पानी सप्लाई की मांग उठाई। लोगों का आरोप था कि कई इलाकों में चार-चार दिनों से पानी नहीं आया है। मजबूरी में लोगों को महंगे दामों पर पानी खरीदना पड़ रहा है या दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है।

प्रदर्शन के दौरान कुणाल सोलंकी ने कहा कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचेंगे और समस्या का समाधान नहीं करेंगे, तब तक वे पानी नहीं पीएंगे। पार्षद ने जल संकट को लेकर विधायक मधु वर्मा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि कई कॉलोनियों में अब तक नर्मदा लाइन नहीं पहुंची है और नगर निगम से पर्याप्त टैंकर भी उपलब्ध नहीं कराए जा रहे, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

भारतीय एथलेटिक्स के लिए गुरिंदर वीर सिंह का रिकॉर्ड ऐतिहासिक क्षण: उप राज्यपाल

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के उप राज्यपाल तरनजीत सिंह सिंधू ने पंजाब के तेज धावक गुरिंदर वीर सिंह को 10.09 सेकेंड की शानदार दौड़ लगाकर इतिहास रचने पर शुभकामनाएं देते हुए इसे भारतीय एथलेटिक्स के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उप राज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि गुरिंदर वीर सिंह का 10.09 सेकेंड का शानदार स्प्रिंट लगाकर देश का सबसे तेज धावक बनना अद्भुत उपलब्धि है जो देशभर के अनगिनत युवा एथलीटों को प्रेरित करेगी। उनका सफर इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे एकाग्रता, अनुशासन और अटूट समर्पण महानता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

उप राज्यपाल ने कहा कि गुरिंदर वीर सिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छूते रहेंगे, पदक जीतते रहेंगे और कई और रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शनों से भारत को गौरवान्वित करते रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि रांची में आयोजित फेडरेशन कप एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुरिंदर वीर सिंह ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड दो दिनों में दो बार तोड़ दिया। शुक्रवार को 10.10 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद गुरिंदर वीर ने शनिवार को 10.09 सेकंड की शानदार दौड़ लगाकर इतिहास रच दिया।

गोवा के सेक्सटॉर्शन रैकेट का मास्टरमाइंड सलमान खान दून से गिरफ्तार

एजेंसी, देहरादून

महिला के जरिए फंसाते थे कारोबारी, अश्लील वीडियो बनाकर करते थे ब्लैकमेल

उत्तराखंड पुलिस और गोवा पुलिस ने सेक्सटॉर्शन रैकेट के फरार सरगना सलमान खान को नेहरू कॉलोनी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपित पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहा था और गोवा में दर्ज करोड़ों रुपये की उगाही के मामले में वांछित था। एसटीएफ के अनुसार आरोपित सलमान खान, निवासी माजरा पटेलनगर, देहरादून, गोवा के मापुसा थाना क्षेत्र में दर्ज एक संगठित अपराध मामले में शामिल था। आरोप है कि उसने अपने गैंग के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर एक सेक्सटॉर्शन गिरोह बनाया था, जो अमीर कारोबारियों को निशाना बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था। जांच में सामने आया कि गिरोह महिलाओं के माध्यम से कारोबारी लोगों को जाल में फंसाता था। इसके बाद फर्जी नारकोटिक्स ब्यूरो अधिकारी बनकर अश्लील वीडियो दिखाने और प्रतिष्ठा खराब करने की धमकी देकर करोड़ों रुपये की उगाही की जाती थी। पुलिस के मुताबिक गिरोह ने गोवा के मापुसा क्षेत्र में एक विला किराये पर लेकर वहां गुप्त कैमरे लगाए थे। योजना के तहत मुंबई के एक कारोबारी को वहां बुलाया गया, जहां महिला सहयोगी के साथ उसके वीडियो रिकॉर्ड किए गए। बाद में गिरोह के सदस्य खुद को दिल्ली नारकोटिक्स ब्यूरो का अधिकारी बताकर मौके पर पहुंचे और कारोबारी को बंधक बनाकर मारपीट करते हुए भारी रकम वसूल की।

इबोला पर केंद्र सरकार का देशवासियों को परामर्श

कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की यात्रा करने से बचें

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इबोला प्रभावित देशों में बदलती स्थिति को देखते हुए और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सिफारिशों के अनुरूप सभी भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। कांगो, युगांडा और उसकी सीमा से लगे दक्षिण सूडान और अन्य देशों में बीमारी फैलने सबसे अधिक खतरा है।

स्वास्थ मंत्रालय ने यह परामर्श जारी किया है। परामर्श के अनुसार भारतीय नागरिक जो वर्तमान में इन देशों में रह रहे हैं या यात्रा कर रहे हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें और अतिरिक्त सावधानी बरतें। डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन समिति ने 22 मई को आगमन के प्रवेश बिंदुओं पर बीमारी की निगरानी को मजबूत करने के लिए कुछ अस्थायी सिफारिशें जारी कीं। इन सिफारिशों में 'बुंडिबुग्यो वायरस पाए जाने वाले क्षेत्रों की यात्रा न करने' की भी सलाह दी गई है।

भारत में बुंडिबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण होने वाली इबोला बीमारी का अबतक कोई भी मामला सामने नहीं आया है। इबोला रोग एक वायरल हेमोरेजिक बुखार है, जो इबोला वायरस के 'बुंडीबुग्यो' स्ट्रेन के संक्रमण के कारण होता है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक है। वर्तमान में बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के कारण होने वाले इबोला रोग की रोकथाम या उपचार के लिए किसी भी टीके या विशिष्ट उपचार को मंजूरी नहीं दी गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम, 2005 के तहत 17 मई को इस स्थिति को 'अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया था। अफ्रीकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और युगांडा को प्रभावित करने वाले बुंडिबुग्यो स्ट्रेन इबोला वायरस रोग के मौजूदा प्रकोप को आधिकारिक तौर पर 'महाद्वीपीय सुरक्षा का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया है।

कानूनी मापन (सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र) संशोधन नियम, 2026 लागू- सीएनजी, एलपीजी और हाइड्रोजन पंपों पर नहीं होगी माप-तौल में हेराफेरी :कानूनी मापन व्यवस्था में बड़े सुधार की ओर भारत का निर्णायक कदम -समग्र व्यापक विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

» कानूनी मापन (सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र) संशोधन नियम, 2026 केवल एक तकनीकी संशोधन नहीं बल्कि भारत की ऊर्जा, उपभोक्ता संरक्षण और प्रशासनिक सुधार यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव

» पेट्रोल से लेकर हाइड्रोजन तक सभी प्रमुख ईंधन वितरण प्रणालियों को वैज्ञानिक सत्यापन ढांचे में शामिल करना भविष्य की अर्थव्यवस्था पारदर्शिता, तकनीकी सटीकता व उपभोक्ता विश्वास पर आधारित होने का स्पष्ट संकेत -एडवोकेट किशन षणमुख दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत में ईंधन वितरण प्रणाली लंबे समय से उपभोक्ता विश्वास, पारदर्शिता और माप- तौल की सटीकता से जुड़ा एक संवेदनशील विषय रही है। पेट्रोल पंपों पर कम ईंधन देने की शिकायतें हों या उभरते स्वच्छ ईंधन क्षेत्रों,सीएनजी, एलपीजी,एलएनजी और हाइड्रोजन, में मानकीकरण की चुनौती, सरकार के सामने एक ऐसी विश्वसनीय व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता थी जो उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ आधुनिक ऊर्जा अर्थव्यवस्था की जरूरतों को भी पूरा कर सके। इसी दिशा में केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग,उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा कानूनी मापन (सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र) संशोधन नियम, 2026 लागू किए गए हैं,जो 8 मई 2026 को राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ ही पूरे देश में तत्काल प्रभाव से लागू हो गए, जिसके लिए विधि मापन संबंधी सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र संशोधन नियम, 2026 के मसौदे पर हितधारकों से टिप्पणियाँ 1 से 31 जनवरी 2026 तक आमंत्रित की गई थीं।इस संशोधन का मूल उद्देश्य भारत की कानूनी मापन प्रणाली को अधिक पारदर्शी,वैज्ञानिक, तकनीक-सक्षम और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। नए नियमों के अंतर्गत पहली बार पेट्रोल/डीजल डिस्पेंसर, सीएनजी डिस्पेंसर, एलपीजी डिस्पेंसर, एलएनजी डिस्पेंसर और हाइड्रोजन डिस्पेंसर को सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) ढांचे में शामिल किया गया है। इसका अर्थ यह है कि अब इन ईंधन वितरण प्रणालियों का सत्यापन और पुनःसत्यापन अधिक व्यवस्थित तेज और व्यापक स्तर पर हो सकेगा। यह कदम न केवल उपभोक्ताओं को सही मात्रा में ईंधन सुनिश्चित करेगा बल्कि भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण, हरित ईंधन अवसंरचना और डिजिटल प्रशासन को भी नई मजबूती प्रदान करेगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत में लीगल मेट्रोलॉजी अर्थात कानूनी मापन व्यवस्था का महत्व केवल व्यापारिक लेन-देन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उपभोक्ता संरक्षण,निष्पक्ष बाजार व्यवस्था और आर्थिक विश्वसनीयता की आधारशिला भी है। जब कोई उपभोक्ता पेट्रोल,सीएनजी या एलपीजी खरीदता है, तो वह वस्तुतः मात्रा और मूल्य के बीच एक कानूनी अनुबंध कर रहा होता है।यदि माप में गड़बड़ी होती है तो यह सीधा आर्थिक शोषण माना जाता है। इसी कारण दुनियाँ के विकसित देशों में ईंधन वितरण प्रणालियों के लिए अत्यंत कठोर सत्यापन मानक लागू किए जाते हैं। भारत में भी लंबे समय से विधिक मापन अधिनियम और संबंधित नियम लागू हैं, किंतु बदलती तकनीकों और ऊर्जा प्रणालियों के विस्तार के कारण नई चुनौतियां सामने आ रही थीं।विशेष रूप से सीएनजी और हाइड्रोजन जैसे गैसीय ईंधनों के वितरण में उच्च तकनीकी सटीकता की आवश्यकता होती है। ऐसे में सरकार द्वारा जीएटीसी ढांचे का विस्तार करना एक समयोचित और दूरदर्शी निर्णय माना जा रहा है। साथियों, यह संशोधन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरे भारत में एक समान रूप से लागू होने वाला केंद्रीय नियम है। यानी 8 मई 2026 से देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह व्यवस्था प्रभावी हो चुकी है। हालांकि, केंद्र सरकार ने राज्यों को भी पर्याप्तलचीलापन दिया है। संशोधन के अंतर्गत राज्य सरकारों को यह अधिकार प्रदान किया गया है कि वे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और औद्योगिक जरूरतों के आधार पर अतिरिक्त श्रेणियों के वजन एवं माप उपकरणों को सत्यापन के लिए अधिसूचित कर सकें। इससे संघीय ढांचे और स्थानीय प्रशासनिक जरूरतों के बीच संतुलन स्थापित होता है। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों में प्राकृतिक गैस आधारित परिवहन अधिक है, वहां सीएनजी डिस्पेंसर्स के सत्यापन पर विशेष ध्यान दिया जा सकेगा, जबकि औद्योगिक राज्यों में एलएनजी या हाइड्रोजन आधारित अवसंरचना को प्राथमिकता दी जा सकती है। साथियों बात अगर हम संशोधित नियमों का सबसे बड़ा प्रभाव को समझने की करेंतो सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्रों अर्थात जीएटीसी की भूमिका में दिखाई देगा। जीएटीसी वे संस्थान हैं जिन्हें सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त होती है और जिनके पास वजन और मापउपकरणों के सत्यापन के लिए आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता,परीक्षणप्रयोगशालाएं और प्रमाणन क्षमता उपलब्ध होती है। अब तक इन केंद्रों के माध्यम से 18 श्रेणियों के उपकरणों का सत्यापन किया जाता था, लेकिन नए संशोधन के बाद पांच नई श्रेणियों को जोड़कर कुल संख्या 23 कर दी गई है। इससे देशभर में सत्यापन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। पहले जहां कई क्षेत्रों में परीक्षण और सत्यापन के लिए सरकारी विभागों पर अत्यधिक दबाव रहता था, वहीं अब निजी क्षेत्र की तकनीकी प्रयोगशालाओं और अनुमोदित संस्थानों को भी इस प्रक्रिया में शामिल करके क्षमता का विकेंद्रीकरण किया गया है। इससे समय की बचत होगी, सेवाएं अधिक सुलभ होंगी और प्रमाणन प्रक्रिया में तेजी आएगी। साथियों, नई जोड़ी गई श्रेणियों में पेट्रोल/डीजलडिस्पेंसर सीएनजी डिस्पेंसर, एलपीजी डिस्पेंसर, एलएनजी डिस्पेंसर और हाइड्रोजन डिस्पेंसर शामिल हैं। यह सूची इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल पारंपरिक ईंधन आधारित अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता,बल्कि वह भविष्य की हरित ऊर्जा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नियामक ढांचा विकसित कर रहा है। विशेष रूप से हाइड्रोजन डिस्पेंसरों को शामिल करना अत्यंत दूरदर्शी कदम माना जा रहा है। दुनिया भर में ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य का स्वच्छ ईंधन माना जा रहा है और भारत भी राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से इस क्षेत्र में तेजी से निवेश कर रहा है। ऐसे में यदि वितरण प्रणाली का सत्यापन वैज्ञानिक और पारदर्शी नहीं होगा तो भविष्य में बड़े स्तर पर उपभोक्ता विवाद और तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो सकती थीं। सरकार ने समय रहते इस दिशा में नियामक ढांचे को मजबूत कर दिया है।सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन जैसे ईंधनों का वितरण सामान्य तरल ईंधनों की तुलना में कहीं अधिक जटिल होता है। इनमें दबाव, तापमान और गैस घनत्व जैसे कई वैज्ञानिक कारक शामिल होते हैं। यदि माप उपकरणों का समय पर अंशांकन और सत्यापन न किया जाए तो वितरण में बड़ी त्रुटियां उत्पन्न हो सकती हैं। इसका प्रभाव केवल उपभोक्ता के आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सुरक्षा जोखिम भी बढ़ जाते हैं। उदाहरण के लिए, हाइड्रोजन अत्यधिक ज्वलनशील गैस है और इसकी आपूर्ति में तकनीकी मानकों की अनदेखी गंभीर दुर्घटनाओं को जन्म दे सकती है। इसलिए इन नई श्रेणियों को कानूनी मापन ढांचे में शामिल करना ऊर्जा सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। साथियों, सरकार द्वारा सत्यापन शुल्क भी स्पष्ट रूप से निर्धारित कर दिया गया है। संशोधित नियमों के अनुसार पेट्रोल और डीजल डिस्पेंसरों के सत्यापन शुल्क को 5,000 रुपये प्रति नोजल तथा सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और हाइड्रोजन डिस्पेंसरों के लिए 10,000 रुपये प्रति नोजल निर्धारित किया गया है। पहली नजर में यह शुल्क कुछ संचालकों को अधिक लग सकता है, लेकिन यदि इसे उपभोक्ता संरक्षण और तकनीकी विश्वसनीयता के संदर्भ में देखा जाए तो यह निवेश दीर्घकालिक रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। सही सत्यापन व्यवस्था उपभोक्ता विवादों को कम करेगी,ईंधन चोरी और माप-तौल में हेराफेरी पर अंकुश लगाएगी तथा व्यवसायों की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।इस संशोधन का एक महत्वपूर्ण पहलू प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना भी है। नियमों में संयुक्त सचिव और उससे ऊपर के अधिकारियों को विशेष शक्तियां प्रदान की गई हैं ताकि अनुमोदन और संबंधित प्रशासनिक मामलों का त्वरित निपटान हो सके। भारत जैसे विशाल देश में अक्सर तकनीकी स्वीकृतियों और प्रमाणन प्रक्रियाओं में देरी एक बड़ी समस्या रही है। यदि सत्यापन और अनुमोदन समय पर नहीं हो पाते, तो उद्योगों की लागत बढ़ती है और उपभोक्ताओं को भी असुविधा होती है। इसलिए यह संशोधन केवल तकनीकी सुधार नहीं बल्कि प्रशासनिक सुधार भी है। साथियों, यह पहल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। जब सत्यापन सेवाएं अधिक उपलब्ध होंगी, तो उद्योगों को संचालन में आसानी होगी। इससे वितरण नेटवर्क के विस्तार में तेजी आएगी। विशेष रूप से सीएनजी और एलएनजी आधारित परिवहन अवसंरचना को इससे बड़ा लाभ मिलेगा। भारत पहले ही प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रहा है और अनेक शहरों में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का विस्तार हो रहा है। ऐसे में सत्यापन क्षमता का विस्तार ऊर्जा क्षेत्र के विकास को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन देगा।उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से देखें तो यह संशोधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में लंबे समय से ईंधन पंपों पर कम मात्रा में ईंधन देने की शिकायतें सामने आती रही हैं। कई बार इलेक्ट्रॉनिक छेड़छाड़, गलत अंशांकन या तकनीकी गड़बड़ियों के कारण उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ता था। अब अधिक संख्या में सत्यापन केंद्र उपलब्ध होने से नियमित जांच और पुनः सत्यापन संभव होगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत होगा। इसके अतिरिक्त राज्य के विधिक माप विभाग अब सत्यापन संबंधी कार्यभार से कुछ हद तक मुक्त होकर निरीक्षण, प्रवर्तन और उपभोक्ता शिकायत निवारण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अधिक ध्यान सटीकता से केंद्रित कर सकेंगे। साथियों, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से भी यह कदम महत्वपूर्ण है। दुनिया के अधिकांश विकसित देश अपने कानूनी मापन ढांचे को अंतरराष्ट्रीय विधिक मापन संगठन यानी ओआईएमएल की सिफारिशों के अनुरूपविकसित कर रहे हैं। भारत का यह संशोधन भी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप माना जा रहा है। इससे भारतीय मापन प्रणाली की अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता बढ़ेगी और वैश्विक व्यापार में भी लाभ मिलेगा। विशेष रूप से जब भारत स्वच्छ ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और वैकल्पिक ईंधनों के क्षेत्र में वैश्विक निवेश आकर्षित करना चाहता है, तब एक मजबूत और वैज्ञानिक मापन प्रणाली निवेशकों के विश्वास को बढ़ाने में सटीकता से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथियों कानूनी मापन प्रणाली का महत्व केवल व्यापारिक पारदर्शिता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक आर्थिक शासन का भी हिस्सा है। यदि किसी देश में माप-तौल की प्रणाली विश्वसनीय नहीं होती, तो बाजार में उपभोक्ता विश्वास कमजोर पड़ता है और आर्थिक गतिविधियों की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए विकसित अर्थव्यवस्थाएं इस क्षेत्र में अत्यधिक निवेश करती हैं। भारत द्वारा जीएटीसी ढांचे का विस्तार इसी दिशा में एक संरचनात्मक सुधार है जो भविष्य में डिजिटल मापन तकनीकों, स्मार्ट डिस्पेंसर और एआई आधारित निगरानी प्रणालियों के लिए भी आधार तैयार करेगा।यह संशोधन आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ है। जब देश अपनी ऊर्जा अवसंरचना , सत्यापन क्षमता और तकनीकी मानकीकरण को मजबूत करता है, तो वह आयातित प्रणालियों पर निर्भरता कम करता है। साथ ही घरेलू उद्योगों और तकनीकी प्रयोग शालाओं को नए अवसर भी प्राप्त होते हैं। जीएटीसी ढांचे में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ने से रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि कहा जा सकता है कि कानूनी मापन (सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र) संशोधन नियम, 2026 केवल एक तकनीकी संशोधन नहीं बल्कि भारत की ऊर्जा, उपभोक्ता संरक्षण और प्रशासनिक सुधार यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। पेट्रोल से लेकर हाइड्रोजन तक सभी प्रमुख ईंधन वितरण प्रणालियों को वैज्ञानिक सत्यापन ढांचे में शामिल करके सरकार ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था पारदर्शिता, तकनीकी सटीकता और उपभोक्ता विश्वास पर आधारित होगी। आने वाले वर्षों में जब भारत स्वच्छ ऊर्जा आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका मजबूत करेगा, तब यह कानूनी और संस्थागत ढांचा उसकी विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण आधार बनेगा।

-संकलनकर्ता लेखक - क्र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9226229318

मीडिया : हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं

लेखक- तनवीर जाफ़री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली देशों का दौरा किया। इस दौरान नॉर्वे की एक घटना ने एक बार फिर मीडिया उसके कर्तव्य व दायित्व को लेकर बहस छेड़ दी। दरअसल ओस्लो में जब मोदी, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ जैसे ही मंच से जाने लगे उसी समय एक युवा महिला पत्रकार हेला लिंग ने मोदी को संबोधित करते हुये कुछ सवाल पूछे। हेला लिंग ने पूछा प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते? मोदी पत्रकार के सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए। इस घटना के फ़ौरन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा उसी जगह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पत्रकार हेला लिंग को भी बुलाया गया। वहाँ भी हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया। परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय गोदी मीडिया ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा। गोदी मीडिया ने महिला पत्रकार के इस तरीक़े को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीति क़रार दिया। वहीँ भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल,वैकल्पिक,निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ़ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे सच्ची पत्रकारिता का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आज़ादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन गोदी पत्रकारों पर तंज़ कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की ख़ुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं। दरअसल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक एक भी नियमित संवाददाता सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। अपने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं बताया था कि वे पुरानी परिपाटी जहाँ नेता मीडिया के माध्यम से अपनी बात प्रसारित करते थे, के बजाय सीधे जनता के बीच जाकर काम करने और नई कार्य संस्कृति स्थापित करने पर विश्वास रखते हैं। मन की बात,सार्वजनिक रैलियां,चुनावी सभाएं, सम्पादकीय पृष्ठ के अपने आलेख,किसी कार्यक्रम स्थल पर आयोजित जन सभा आदि के माध्यम से जनता से इकतरफ़ा संवाद करना प्रधानमंत्री का पसंदीदा तरीक़ा है। जबकि भारत के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की यह नियमित परंपरा रही थी कि वे विदेश दौरों से लौटने,विमान में या देश में समय-समय पर खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया करते थे। सच तो यह है कि मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते मीडिया से जुड़े उनके कुछ ऐसे कटु अनुभव रहे हैं जिसके चलते वे अब पुनः साहसी पत्रकारों से रूबरू होकर पुनः अपनी वैसी फ़ज़ीहत नहीं कराना चाहते। याद कीजिये अक्टूबर 2007 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे,उस समय वरिष्ठ पत्रकार करण थापर ने सी एन एन-आई बी एन के प्रसिद्ध शो डेविल्स एडवोकेट के लिए अहमदाबाद में मोदी का इंटरव्यू लिया था। करण थापर ने मोदी से अपने पहले सवाल में ही 2002 के गुजरात दंगों को लेकर पूछा कि दंगों के पांच साल बाद भी उनकी छवि एक क्रूर शासक की बनी हुई है, इसे सुधारने के लिए उन्होंने क्या किया? जब मोदी ने कहा कि जनता उन्हें अच्छे से जानती है, तो थापर ने अगला सवाल किया कि आप यह क्यों नहीं कह देते कि आपको दंगों में मारे गए लोगों का दुख या पछतावा है? क्या सरकार को मुसलमानों की सुरक्षा के लिए और क़दम नहीं उठाने चाहिए थे?

आरएसएस-भाजपा और अमेरिका की दासता की ओर बढ़ता भारत

लेखक - राम पुनियानी

स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित थी और वह शीत युद्ध के दोनों प्रमुख पात्रों - अमेरिका और सोवियत संघ - में से किसी के सामने नहीं झुकता था। पाकिस्तान शुरू से ही अमेरिका के इशारों पर नाचता रहा और वहां लोकतंत्र का गला घोंटकर मुस्लिम साम्प्रदायिक राजनीति का बोलबाला स्थापित होने में अमेरिकी राजदूत, मुल्लाओं और सेना की भूमिका सबके सामने साफ थी। आज भी इस्लाम के नाम पर वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला है और सेना बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वहां एक के बाद एक सेना के जनरल सत्ता पर काबिज रहे या राजनैतिक मामलों में उनका जबरदस्त हस्तक्षेप रहा। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर को भोज का आमंत्रण दिए जाने से पाकिस्तान के हालात क्या हैं, यह अच्छे से समझा जा सकता है। वैसे पाकिस्तान की विदेश नीति के अन्य पक्ष भी हैं, लेकिन उसका अमेरिका की ओर झुकाव एकदम स्पष्ट रहा है। मजाक में यह कहा जाता था कि पाकिस्तान पर तीन 'ए' का राज है - अल्लाह, अमेरिकी राजदूत और आर्मी। यह कथन संभवतः अतिशयोक्तिपूर्ण हो लेकिन यह साफ है कि जब समाज में धर्म के नाम पर की जाने वाली राजनीति का बोलबाला हो जाता है, तब वैसे ही हालात बन जाते हैं जैसे हमारे पड़ोसी मुल्क में हैं। भारत किसी भी महाशक्ति के सामने न झुकने की राह पर चला और विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से बहुआयामी विकास करते हुए उसने तकनीकी, औद्योगिक और शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की हासिल की। इसका एक उदाहरण है वे पांच आईआईटी, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग बड़े देशों की मदद से बनाए गए थे। भारत महाशक्तियों दबाव के सामने नहीं झुका, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण बांग्लादेश की स्थापना के पहले की घटनाएं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने भारत से कहा कि वह पूर्वी पाकिस्तान के घटनाक्रम में हस्तक्षेप न करे। उस समय पाकिस्तान की सेना वहां कहर ढ़ा रही थी, जिसके नतीजे में बहुत बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आ रहे थे। इंदिरा गांधी ने निर्भीकता का परिचय देते हुए न केवल निक्सन की सलाह मानने से इंकार कर दिया बल्कि सोवियत संघ के साथ 'मैत्री संधि' कर ली और बंगाल में अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े की मौजूदगी के बावजूद भारतीय सेना ने वहां हस्तक्षेप किया और मुक्ति वाहिनी की पूर्वी पाकिस्तान को पश्चिमी पाकिस्तान के चंगुल से मुक्त कराने में मदद की, जो पूर्वी पाकिस्तान में तरह-तरह की ज्यादतियां कर रहा था। यहां तक कि पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा उर्दू को पूर्वी पाकिस्तान पर लादने का प्रयास किया जा रहा था। बांग्लाभाषी पूर्वी पाकिस्तान ने बगावत कर दी। भारत ने अमेरिकी धमकियों की परवाह न करते हुए पूर्वी पाकिस्तान की जनता को मुक्ति दिलवाई। लेकिन 2014 के बाद से भारत की विदेश नीति में धीरे-धीरे बदलाव होता गया और उस पर अमेरिका का प्रभुत्व कायम होता गया। भारत, इजराइल के साथ प्रगाढ़ संबंध स्थापित कर रहा है। सत्ता पर काबिज दल की नीतियों के अनुरूप ईरान और फिलीस्तीन से हमारे परंपरागत रिश्तों को कुर्बान कर दिया गया है। आपरेशन सिंदूर में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच टकराव हुआ। जहां भारत ने दावा किया कि युद्धविराम पाकिस्तान के अनुरोध और दोनों देशों के बीच हुई वार्ताओं की वजह से हुआ, वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह शेखी बघारी कि उनके प्रशासन से आर्थिक मामलों में नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर दोनों देशों के बीच युद्धविराम करवाया। अब तक भारत में पाकिस्तान को देश का दुश्मन नंबर 1 बताया जाता रहा है। दोनों देशों के नागरिकों के बीच इंडो-पाक फोरम व अमन की आशा जैसी महत्वपूर्ण पहलों के जरिए संपर्क-संबंध स्थापित करने के प्रयास होते रहे हैं। अमन की आश अभियान की शुरूआत भारत के टाईम्स ऑफ़ इंडिया एवं पाकिस्तान के अग्रणी समाचारपत्र जंग ने की थी। निःसंदेह दोनों देशों की सरकारें एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती रही हैं। कश्मीर हमेशा से दोनों देशों के बीच एक मुद्दा रहा है। कश्मीरियों को एक ओर पाकिस्तान से आने वाले उग्रवादियों और आतंकियों से मुकाबला करना पड़ा तो दूसरी ओर नागरिक इलाकों में भारतीय सेना की भारी मौजूदगी ने उनका जीवन हराम कर दिया। अब ऐसा लगता है कि आरएसएस-भाजपा का पाकिस्तान के प्रति रूख बदल रहा है। आरएसएस के दूसरे सबसे बड़े नेता सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले ने हाल में कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए। संघ परिवार लगातार कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है और नेहरू को कश्मीर की स्थिति के लिए दोषी ठहराता रहा है। इस बीच कश्मीर में अफरातफरी जारी रही। अटलबिहारी वाजपेयी ने दोनों देशों के बीच विवाद को सुलझाने के प्रयास में लाहौर तक बस यात्रा की। इसके बाद पाकिस्तान के तानाशाह परवेज मुशर्रफ भारत पहुंचे। लेकिन इसके बावजूद भी गतिरोध बना रहा। इस सबके बीच होसबोले का वक्तव्य हवा के एक ताजे झोंके की तरह है। आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत पाकिस्तान और भारत के रिश्तों को अखंड भारत की संकल्पना से जोडते रहे है। भाजपा सरकार ने सार्क को बढ़ावा देने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। सार्क दक्षिण एशियाई देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में एक शानदार कदम था। होसबोले का दावा है कि संघ की नीति हमेशा से यही रही है, हालांकि सच यह है कि बातचीत के द्वार खुले रखने की बात एकदम नई है। होसबोले ने यह वक्तव्य अपनी हालिया अमरीका यात्रा के बाद जारी किया है मगर कई लोगों को संदेह है कि उन्होंने अमेरिका के दबाव में ऐसा कहा है। इस दावे की सच्चाई का पता लगाना मुश्किल है मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत अमेरिका को अपना आका मान चुका है। अमेरिका ने जब भारत पर आयात शुल्क 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया और उसे फिर 18 प्रतिशत तक घटा दिया तब भारत ने इसका कोई विरोध नहीं किया। भारत ने बिना ना-नुकुर के अमेरिका के इस निर्देश का भी पालन किया कि वह रूस से कच्चा तेल न खरीदे।

इसकी दुबारा पुष्टि राम माधव के उस वक्तव्य से हुई जिससे वे बाद में पीछे हट गए। वे आरएसएस-भाजपा के प्रमुख नेता हैं। वाशिंगटन में हडसन इंस्टीट्यूट में बोलते हूए उन्होंने कहा कि भारत टैरिफ बढ़ाने और रूस से तेल न खरीदने जैसे अमेरिका के फैसलों और मांगों के सामने झुका। इसके बाद उन्होंने कहा कि ''भारत ने अमेरिका के साथ सहयोग करने के लिए आखिर क्या नहीं किया''। जब उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा तो उन्होंने अपना यह वक्तव्य वापिस ले लिया मगर पोल तो खुल चुकी थी। आरएसएस हमेशा से अमेरिका का पिछलग्गू रहा है। यहां तक कि उसने अमेरिका के वियतनाम पर हमले का भी समर्थन किया था।

वन विभाग की उपेक्षा एवं वनों बढ़ती कटाई; इससे हिंसक जानवरों के कारण जनहानि हो रही है

रमेश कृष्णराव लांजेवार

देश में औद्योगीकरण, शहरीकरण, सीमेंट सड़कें, अप्रतिबंधित निर्माण और कुछ जगहों पर धर्म के नाम पर वृक्ष कटाई बढ़े पैमानेपर होरही है और सरकार इस मामले को खुली आंखों से देख रही है, लेकिन वह कान और मुंह पर हाथ रखकर तमाशबीन की भूमिका में है। इसका नतीजा यह है कि इंसानों और पालतू जानवरों पर हिंसक जानवरों (बाघ, तेंदुआ, भालू) की आक्रामकता बढ़ रही है। देखने में आ रहा है कि पौधारोपण होता ही नहीं, कागजों पर ही हो जाता है। आज सरकार ने जंगलों को काटकर औद्योगीकरण, शहरीकरण और सीमेंट सड़कों का एक बड़ा नेटवर्क तैयार कर लिया है और इसका असर धीरे-धीरे हर जगह पेडकटाईका असर महसूस किया जा रहा है। इसी के कारण चार महिला की बाघ ने हत्या की गयी है. 22 मई 2026 की सुबह सिंदेवाही वन क्षेत्र के गुंजेवाही के जंगल में तेंदूपत्ता संग्रहण करने गई महिलाओं पर बाघ ने हमला कर दिया और चारों को मौके पर ही मार डाला. ऐसी ही एक घटना पिछले साल मई में हुई थी जब तेंदूपत्ते लेने गई तीन महिलाओं पर बाघ ने हमला कर दिया था और उन्हें मार डाला था. सरकार की आंखों के सामने इतनी भयानक घटना होने के बावजूद वनों की कटाई नहीं रुकी है और सरकार ने पान इकट्ठा करने वाले मजदूरों को कोई सुरक्षा नहीं दी है. आज अगर हम दुनिया के सबसे गर्म शहरों के बारे में सोचें तो भारत के 50 शहरों में सूरज की तपिश का होना देश के लिए एक बड़ी खतरे की घंटी है। क्योंकि देश में तापमान दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है. दिल्ली, यूपी, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में अगले 7 दिनों तक तापमान बढ़ने की बात कही जा रही है. इसके चलते इस राज्य के कई शहर "रेड अलर्ट" पर हैं। आज महाराष्ट्र समेत देश के कई शहरों का तापमान अपनी पूरी सीमा रेखा पार कर चुका है और देखा जा रहा है कि यह 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है. आज विदर्भ गर्मीसे बेहाल है,येसा देखा गया है की, वर्धा-४७.१, ब्रम्हपुरी -४७.२, नागपूर -४६.६, अमरावती -४६.४, चंद्रपुर -46.2 और अन्य शहर उच्चतम तापमान पर पहुंच गए हैं और 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गए हैं। इससे जंगली जानवरों को पानी के लिए जंगल में भटकना पड़ रहा है। क्योंकि जंगल में जलस्रोत भी सूख गये हैं. बदलती जलवायु, बढ़ते तापमान और वनों की कटाई के कारण जंगल में जानवरों के लिए जल संसाधन ख़त्म हो गए हैं और बाघ और तेंदुए जैसे शिकारी जानवर गाँव या गाँव या शहर के आसपास के इलाकों की ओर भागते देखे जाते हैं। तो वहीं आज चंद्रपुर जिले के गुंजेवाही इलाके में बाघ के हमले में चार महिलाओं की मौत हो गई है. पिछले पांच वर्षों में, 2021-25 के दौरान चंद्रपुर जिले में वन्यजीव हमलों में 200 लोगों की मौत हो गई है और चालू वर्ष के पांच महीनों में यह संख्या 19 तक पहुंच गई है। इस तरह अब तक 219 लोगों की मौत हो चुकी है. लेकिन यह दुखद है कि सरकार ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। सरकार को ऐसी गंभीर घटनाओं के लिए स्थाई समाधान योजना लागू करनी होगी तभी हिंसक जानवरों पर काबू पाया जा सकेगा। वन विभाग और सरकार की ओर से वास्तविक उपाय नहीं किये जाने के कारण यह बेहद चिंताजनक और गंभीर मुद्दा है. जैसा कि संबंधित है, पृथ्वी पर संपूर्ण जीवन को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। बढ़ते तापमान और घटती वन संपदा के कारण यह स्पष्ट है कि हिंसक जानवर इंसानों पर हमला करने का रुख अख्तियार कर चुके हैं। चंद्रपुर जिले में तेंदू पत्ता संग्रहण कई वर्षों से चल रहा है। इस संग्रह से हर साल 35 हजार परिवारों को रोजगार मिलता है। चूंकि गर्मियों में कृषि कार्य नहीं होता है, इसलिए कई परिवार तेंदू पत्ते इकट्ठा करने और अपनी आजीविका कमाने के लिए जंगल में जाते हैं। इस बात से वन विभाग और सरकार भलीभांति परिचित है, इसके बावजूद यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य है कि सरकार मजदूरों को हिंसक जानवरों से बचाने में असमर्थ है. महाराष्ट्र में जंगली जानवरों के हमलों से बढ़ती जनहानि अत्यंत चिंताजनक है। 2021 में 93, 2021 में 118, 2022 में 134, 2023 में 147, 2024 में 167 और 2025 से मै तक हिंसक जानवरों के कारण 72 लोगों की मौत हो चुकी है। यह संपूर्ण मानव हानि वनों की कटाई के कारण होने वाली एक बड़ी समस्या है। सरकार को तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है.' महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक ने नुकसान रोकने के लिए बकरियों को जंगल में छोड़ने की बात कही थी. हालाँकि, यह बहुत गंभीर मामला है कि हम जंगली जानवरों के कारण बड़ी मात्रा में मानवीय क्षति देखते हैं। सरकार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अत्यधिक गर्मी के कारण बाघ और अन्य जंगली जानवर आक्रामक हो रहे हैं। हिंसक जानवरों से होने वाली जनहानि की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सरकार को इस पर तत्काल कदम उठाने चाहिए। जय हिन्द.

लेखक-रमेश कृष्णराव लांजेवार
(स्वतंत्र पत्रकार)
मो.नं.9921690779, नागपुर

100 मीटर स्प्रिंट में 10.09 सेकंड का समय निकाल तोड़ा रिकॉर्ड

रांची, एजेंसी। पंजाब के उभरते हुए धावक गुरिंदरवीर सिंह ने भारतीय एथलेटिक्स में नया इतिहास रच दिया है। रांची में आयोजित 2026 एथलेटिक्स फेडरेशन कप में गुरिंदरवीर ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतते हुए 10.09 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही वह 100 मीटर दौड़ में 10.10 सेकंड से कम समय निकालने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद पंजाब से लेकर पूरे देश में खुशी की लहर है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और इसे पंजाब के लिए गर्व का क्षण बताया।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दी बधाई

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्वीट करते हुए कहा, 'हमारे होनहार खिलाड़ी गुरिंदरवीर सिंह को रांची में फेडरेशन कप की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई। गुरिंदरवीर इतने कम समय में रेस पूरी करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। पंजाब के बेटे ने लगातार दो दिनों में दूसरा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर राज्य का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।'

परिवार को बेटे पर गर्व

गुरिंदरवीर की मां रूपिंदर कौर ने बेटे की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, 'हमें बहुत गर्व और खुशी महसूस हो रही है कि हमारे बेटे ने इतिहास रच दिया। रिश्तेदार लगातार फोन करके बधाई दे रहे हैं। बचपन से ही वह बहुत खुशमिजाज था। उसके कोचों ने भी काफी मेहनत की। उसके पिता का सपना था कि वह एथलीट बने। मैं युवाओं से कहना चाहती हूं कि माता-पिता की बात सुनें, पढ़ाई और खेल दोनों पर ध्यान दें और नशे से दूर रहें।' मैं खुद वॉलीबॉल खेलता था और चाहता था कि वह खिलाड़ी बने। खेल ही ऐसा मंच है जहां आप अपना नाम बनाते हैं और माता-पिता व कोच को गर्व महसूस कराते हैं।'

कोच ने बताया मेहनत का सफर

गुरिंदरवीर के कोच सरबजीत सिंह ने कहा कि खिलाड़ी ने पिछले 10 वर्षों तक उनके साथ कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। गुरिंदरवीर ने मेरे साथ 10 साल तक ट्रेनिंग की। जैसे ही उसने सेमीफाइनल में अनीमेष का रिकॉर्ड तोड़ा, उसका आत्मविश्वास और बढ़ गया। उसने ऐतिहासिक रेस दौड़कर पंजाब का नाम पूरी दुनिया में रोशन कर दिया।'

कॉमनवेल्थ गेम्स पर नजर

गुरिंदरवीर ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान ट्रेनिंग पर रहेगा और वह भविष्य में कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने साथी धावक अनीमेष कुजूर और मणिकांत का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत प्रतिस्पर्धा खिलाड़ियों को बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है।

बधाइयों का लगा तांता

मानसिक मजबूती बनी सफलता की कुंजी

गुरिंदरवीर सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, कोच और सपोर्ट स्टाफ को दिया। उन्होंने कहा, 'यह बहुत शानदार एहसास है। मैं आगे भी कड़ी ट्रेनिंग करके अच्छे नतीजे लाना चाहता हूं। आखिरी समय में खेल शारीरिक से ज्यादा मानसिक मजबूती का होता है। मैं खुद को मानसिक रूप से मजबूत रख पाया और इसी वजह से अच्छा प्रदर्शन कर सका।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपने परिवार, कोच, डाइटिशियन और रिलायंस फाउंडेशन को श्रेय देना चाहता हूं। सभी ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे बेहतरीन सुविधाएं दीं।'

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले गुलवीर सिंह सुर्खियों में! तोड़ा 5000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड

लॉस एंजिलिस। भारत के स्टार लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए नया इतिहास रच दिया है। लॉस एंजेलिस में आयोजित एलए ट्रैक फेस्टिवल में गुलवीर ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। गुलवीर ने 13 मिनट 03.93 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में इरीट्रिया के हबतोम सैमुअल ने 12 :57.22 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय धावक ने अपने पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13 :11.82 को पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने सितंबर 2024 में जापान में बनाया था।

भारतीय सेना ने दी बधाई

गुलवीर सिंह की इस उपलब्धि पर भारतीय सेना ने भी गर्व जताया। इंडियन आर्मी स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'भारतीय सेना के खिलाड़ी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किया है। नायब सूबेदार गुलवीर सिंह ने लॉस एंजेलिस ट्रैक फेस्ट में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतते हुए 13 :03.93 का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

बनाया। उन्होंने अपने पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा और भारतीय लंबी दूरी की दौड़ को नई पहचान दी है।' पोस्ट में आगे कहा गया, 'गुलवीर अनुशासन, मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं।

भारतीय एथलेटिक्स के नए सितारे

गुलवीर सिंह फिलहाल अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स में ट्रेनिंग कर रहे हैं। वह 3000 मीटर से लेकर 25 किलोमीटर रोड रेस तक कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। उनके नाम 3000 मीटर, 5000 मीटर और 10000 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज हैं। इसके अलावा वह 5000 मीटर और 10000 मीटर में मौजूदा एशियाई चैंपियन भी हैं। 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 5000 और 10000 मीटर दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।

इस साल लगातार शानदार प्रदर्शन

यह 2026 में गुलवीर का चौथा बड़ा मुकाबला था। उन्होंने साल की शुरुआत जनवरी में वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप से की, जहां वह सीनियर पुरुष वर्ग में 40वें स्थान पर रहे। फरवरी में अमेरिका के विंस्टन-सेलम में आयोजित साउंड रनिंग इनवाइट में उन्होंने 5000 मीटर शॉर्ट ट्रैक में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद मार्च में न्यूयॉर्क हाफ मैराथन में उन्होंने 59 मिनट 42 सेकेंड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और एक घंटे से कम समय में हाफ मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले भारत का रिकॉर्ड अविनाश साबले के नाम था, जिन्होंने 2020 दिल्ली हाफ मैराथन में 1 :00 :30 का समय निकाला था।

प्लेऑफ से पहले आरसीबी को लगा तगड़ा झटका इंग्लैंड का ये विस्फोटक बल्लेबाज पूरे टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ मुकाबलों से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बेथेल अब इंग्लैंड लौटेंगे, जहां उनकी चोट का आगे इलाज और मेडिकल जांच की जाएगी। यह खबर ऐसे समय आई है जब आरसीबी को क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहम मुकाबला खेलना है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में हुए थे चोटिल- जैकब बेथेल को यह चोट पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान लगी थी। फील्डिंग करते समय कैच पकड़ने की कोशिश में डाइव लगाते हुए उनकी बाएं हाथ की रिंग फिंगर चोटिल हो गई थी। इसी वजह से वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के आखिरी लीग मैच में भी नहीं खेले थे।आरसीबी ने शनिवार को कहा, 'जैकब बेथेल को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान बाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। मेडिकल जांच के बाद वह आगे के मूल्यांकन के लिए इंग्लैंड लौटेंगे।' इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी खिलाड़ी की वापसी की पुष्टि की है। बोर्ड के अनुसार, बेथेल की मेडिकल टीम लगातार निगरानी करेगी ताकि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता तय की जा सके। आरसीबी ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में टॉप स्थान हासिल किया था। हालांकि, प्लेऑफ से ठीक पहले बेथेल का बाहर होना टीम के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं, टीम के लिए राहत की खबर यह है कि स्टार ओपनर फिल सॉल्ट की वापसी हो चुकी है। उम्मीद है कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-1 में वह सीधे प्लेइंग इलेवन में नजर आएंगे।

वेंकटेश अय्यर ने निभाई थी ओपनिंग की जिम्मेदारी- सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मुकाबले में ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने ओपनिंग करते हुए 19 गेंदों में तेज 44 रन बनाए थे। लेकिन फिल सॉल्ट की वापसी के बाद उनके मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने की संभावना है।

आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीएल 2026 का क्वालिफायर-1 मुकाबला जल्द खेला जाएगा। इस मैच की विजेता टीम सीधे फाइनल में जगह बनाएगी।

हैरी केन की हैट्रिक से बायर्न म्यूनिख ने जीता जर्मन कप, बुंदेसलीगा के बाद जीता दूसरा खिताब

म्यूनिख, एजेंसी। हैरी केन की शानदार हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने डीएफबी-पोकाल (जर्मन कप) फाइनल में स्टटगार्ट को 3-0 से हराकर घरेलू डबल अपने नाम कर लिया। बायर्न ने इस जीत के साथ अपना 21वां जर्मन कप खिताब जीता और 2020 के बाद पहली बार इस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इससे पहले टीम इस सीजन में बुंदेसलीगा का खिताब भी जीत चुकी है। बायर्न के इतिहास में यह 14वां मौका है जब क्लब ने एक ही सीजन में लीग और कप दोनों खिताब जीते हैं। वहीं स्टटगार्ट का सीजन बिना किसी ट्रॉफी के समाप्त हुआ।

पहले हाफ में स्टटगार्ट ने दी कड़ी टक्कर

मैच की शुरुआत में स्टटगार्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और बायर्न को दबाव में रखा। शुरुआती मिनटों में डेनीज उंडाव और एंजेलो स्टिलर ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन बायर्न के गोलकीपर जोनास उरबिग ने शानदार बचाव किया। मैनुअल नोयर की जगह खेल रहे उरबिग ने कई महत्वपूर्ण सेव किए। दूसरी ओर बायर्न की टीम लंबे समय तक गेंद अपने पास रखने के बावजूद लय में नजर नहीं आई। हैरी केन ने पहले हाफ में एक हेडर बाहर मारा, जबकि लुइस डियाज का शॉट स्टटगार्ट के गोलकीपर अलेक्जेंडर नुबेल ने रोक लिया।

दूसरे हाफ में बदला मैच का रुख

मैच का टर्निंग पॉइंट 55वें मिनट में आया। माइकल ओलिसे पर फाउल के बाद बायर्न ने तेजी से खेल शुरू किया। ओलिसे ने दाहिने छोर से शानदार क्रॉस दिया, जिस पर हैरी केन ने हेडर के जरिए गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद स्टेडियम में आतिशबाजी और धुएं के कारण मैच कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू होने के बाद बायर्न ने पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। 80वें मिनट में केन ने लुइस डियाज के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए दूसरा गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में स्टिलर के हैंडबॉल के कारण मिले पेनाल्टी पर गोल कर उन्होंने अपनी हैट्रिक पूरी कर ली।

जीत के बाद क्या बोले केन और कोम्पनी

मैच के बाद हैरी केन ने कहा, 'यह धैर्य बनाए रखने का मुकाबला था। पहला हाफ कठिन रहा, लेकिन हमने विपक्षी टीम को थका दिया। दूसरे हाफ में हमने शानदार प्रदर्शन किया और जीत के हकदार रहे। मुझे टीम पर बहुत गर्व है।' बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने कहा, 'हमने मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेला। पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का था, लेकिन दूसरे हाफ में हमने अपना स्तर ऊपर उठाया। यह लगभग परफेक्ट कप फाइनल था।' वहीं स्टटगार्ट के कोच सेबास्टियन होएनेस ने कहा, 'हार का दुख बहुत बड़ा है। 55 मिनट तक हमने वैसा ही खेल दिखाया जैसा जरूरी था। हम काफी करीब थे।'

व्यापार

9 साल का टूटा रिकॉर्ड, भारत में विदेशी कंपनियों की ताबड़तोड़ एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बाजार में विदेशी कंपनियों की एंट्री पिछले नौ सालों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। सिंगापुर, अमेरिका और ब्रिटेन इस मामले में सबसे आगे हैं। कुछ नए देश भी पहली बार इसमें शामिल हुए हैं। ईटी के विश्लेषण से इसका पता चलता है। उसने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के डेटा का विश्लेषण किया है। डेटा के मुताबिक, भारत में

काम करने वाली विदेशी कंपनियों की संख्या में हालिया उछाल मुख्य रूप से सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और जर्मनी स्थित व्यवसायों से आया है। जापान के साथ मिलकर इन पांच देशों का वित्त वर्ष 2025-26 में भारत में कुल विदेशी कंपनी रजिस्ट्रेशन में आधे से ज्यादा हिस्सा रहा। इससे यह संख्या नौ साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। 13 नए रजिस्ट्रेशन के साथ सिंगापुर सबसे बड़ा कॉन्ट्रिब्यूटर रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में यह संख्या सात थी। इसके बाद अमेरिका 10 रजिस्ट्रेशन के साथ दूसरे पायदान पर रहा। ब्रिटेन ने नौ रजिस्ट्रेशन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। जर्मनी ने आठ रजिस्ट्रेशन के साथ ग्रोथ का नेतृत्व किया। वित्त वर्ष 2024-25 के एक रजिस्ट्रेशन से बढ़कर यह संख्या आठ हो गई। वहीं, दक्षिण कोरिया की संख्या चार से बढ़कर आठ हो गई। जापान की संख्या आठ से घटकर सात रह गई। पिछले वित्त वर्ष में भारत में विदेशी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन बढ़कर नौ साल के सबसे ऊंचे स्तर 101 पर पहुंच गया। यह वित्त वर्ष 2024-25 के 57 रजिस्ट्रेशन से अधिक था। वित्त वर्ष 2016-17 में यह संख्या 103 थी। भारतीय कंपनी अधिनियम , 2013 के अनुसार, एक विदेशी कंपनी वह इकाई है जिसका निगमन विदेश में हुआ हो और जो भारत में अपना व्यवसाय खुद या किसी एजेंट के जरिये ऑपरेट करती है। दक्षिण अफ्रीका, घाना और उज्बेकिस्तान ने वित्त वर्ष 2025-26 में पहली बार भारत में अपनी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन कराया। सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और जापान भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के टॉप 10 स्रोतों में भी शामिल हैं। सामूहिक रूप से इन पांच देशों ने वित्त वर्ष 2025-26 (दिसंबर तक) में कुल एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 62.4 प्रतिशत का योगदान दिया।

चीन का यह रहा नंबर

डेटा से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 में चीन आठवें स्थान पर रहा, जहां से तीन रजिस्ट्रेशन हुए। जबकि पिछले तीन वर्षों में यह संख्या शून्य थी।

औसतन, वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26 के बीच भारत में चीनी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन घटकर सालाना दो रह गया। यह वित्त वर्ष 2018-20 की अवधि के दौरान सालाना नौ था।

दिग्गज का दावा- दो महीने से ज्यादा नहीं रहेगा पश्चिम एशिया संघर्ष का असर

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने शनिवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर दो महीने से ज्यादा नहीं रहेगा। उद्योगों के बड़े कैपिटल एक्सपेंडिचर के दम पर भारत की ग्रोथ स्टोरी जारी रहेगी। जिंदल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) नागपुर के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे थे। जिंदल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उद्योग लंबी अवधि की योजनाओं पर फोकस करते हैं। उन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 में कैपिटल एक्सपेंडिचर को लेकर अपनी उम्मीदों और निवेश पर पश्चिम एशिया संघर्ष के असर के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब दिए। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन ने संघर्ष को लेकर कही ये बातें सज्जन जिंदल ने कहा कि : पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत की इंडस्ट्रियल ग्रोथ के लिए एक छोटा सा झटका है। हालांकि, हर कोई समझता है कि यह अस्थायी है। यह एक हफ्ते या एक महीने में, या अधिक-से-अधिक दो महीने में खत्म हो सकता है। जिंदल ने कहा कि उद्योग बहुत लंबी अवधि के लिए योजनाएं बनाते हैं, जो 20, 25 या 50 साल तक की हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'इसलिए, भारत की ग्रोथ का सफर जारी रहेगी। उद्योगों की ओर से भारी पूंजीगत खर्च किया जा रहा है। अब पूंजीगत खर्च की रफ्तार बढ़ रही है क्योंकि ज्यादातर कंपनियों के बहीखाते बहुत मजबूत हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेशी मुद्रा बचाने के आह्वान में उद्योगों की भूमिका पर पूछे गए सवाल पर जिंदल ने कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल ही विदेशी मुद्रा बचाने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उन प्रमुख पहलों में से एक हैं जिन्हें जेएसडब्ल्यू ग्रुप तेल आयात कम करने और ई-परिवहन की ओर बदलाव को प्रोत्साहित करने के प्रधानमंत्री के नजरिये के अनुरूप आगे बढ़ा रहा है। जिंदल ने बताया कि उनका ग्रुप नागपुर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सेल और बैटरी बनाने पर काम कर रहा है।

नाइट्रोजन उर्वरकों की आपूर्ति ठप होने के बाद इंसान के पेशाब की मांग, खाद संकट में किसानों ने तलाशे अनोखे विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-अमेरिका तनाव के चलते वैश्विक स्तर पर पारंपरिक नाइट्रोजन उर्वरकों (खाद) की आपूर्ति ठप होने के बाद दुनिया भर के किसान फसलों को बचाने के लिए नए और अनोखे विकल्प तलाश रहे हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक रासायनिक खादों जैसे यूरिया की आसमान छूती कीमतों के बीच अब इंसानी पेशाब , मुर्गे की बीट और केंचुआ खाद जैसे प्राकृतिक और जैविक विकल्प अचानक भारी मांग में आ गए हैं। दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले कुल यूरिया (एक प्रमुख नाइट्रोजन उर्वरक) का लगभग एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी के चलते यूरिया की कीमतें कई सालों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। वहीं इस नाकेबंदी के कारण सप्लाई भी प्रभावित हुई है। ऐसे में किसानों ने दूसरे विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं।

कितनी पहुंची कीमत

मिस्र का यूरिया युद्ध शुरू होने के बाद से 90 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 940 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गया है। विश्व बैंक का अनुमान है कि इस साल उर्वरक की कीमतों में करीब एक-तिहाई (30 प्रतिशत) की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे खाद्य संकट गहराने का डर है। वहीं संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि इसके कारण 4.5 करोड़ अतिरिक्त लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर सकते हैं। कृत्रिम उर्वरकों ने एक सदी से वैश्विक खाद्य उत्पादन को संभाला हुआ है। ऐसा कोई सबूत नहीं है कि आप इन्हें पूरी तरह हटा दें और पैदावार भी उतनी ही बनी रहे। इस संकट का कोई जादुई इलाज नहीं है। इस संकट ने उन जैविक उत्पादों (बायो फर्टिलाइजर्स) को एक बड़ा मौका दे दिया है, जिन्हें किसान अब तक रासायनिक खादों से कमजोर मानते थे। इससे कई स्टार्टअप को भी ग्रोथ के मौके मिल सकते हैं। फ्रांस के स्टार्टअप टूपी ऑर्गेनिक्स ने स्कूलों और त्योहारों से इंसानी पेशाब इकट्ठा कर उसे एक ऐसे बैक्टीरिया फीड में बदलना शुरू किया है जो पौधों को बढ़ने में मदद करता है। फरवरी के बाद से कंपनी की बिक्री में 25 प्रतिशत का उछाल आया है। कंपनी के प्रतिनिधि फ्रांस्वा जेरार्ड ने कहा कि युद्ध हमारे बिजनेस के लिए वरदान साबित हुआ है। कच्चे माल के रूप में पेशाब हर जगह प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

मुर्गे की बीट और केंचुए

मलेशिया की डेयरी कंपनी फार्म फ्रेश बीएचडी गाय-भैंसों के मलमूत्र को केंचुओं को खिलाती है, जिससे तैयार खाद घास को उपजाऊ बनाती है। अब वे इसमें मुर्गे की बीट भी मिला रहे हैं। ब्रिटेन के किसान जेम्स मिल्स बताते हैं कि अब मुर्गे की बीट बेचने वालों के पास खरीदारों की लंबी लाइन लगी है।

सस्ते जैविक विकल्प

अमेरिकी कंपनी पिवट बायो ने अपने जैविक खादों के दाम 15 प्रतिशत तक घटा दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)